दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 85/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 25 अक्टूबर 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

कांग्रेस ने चार सीटों पर बदले प्रत्याशी

भोपाल। मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जारी की गई प्रत्याशियों की सूची को कांग्रेस ने परिवर्तन करते हुए चार सीटों पर प्रत्याशियों को बदला है। बता दे कि इन सीटों पर पूर्व में घोषित प्रत्याशियों का लगातार विरोध हो रहा था। जिसके बाद पार्टी ने इन सीटों पर दोबारा मंथन किया और चार सीटों पर चेहरे बदले हैं।

AICC PRESS RELEASE
ASSEMBLY ELECTIONS - 2023
MADHYA PRADESH
The Central Election Committee has approved the revised proposals of the following persons as Congress candidates for the ensuing elections to the Madhya Pradesh Legislative Assembly

Sl. No.	No & name of Constituency		Candidates Selected
1	5	Sumawali	Ajab Singh Kushwaha (In place of Kuldeep Sikarwar)
2	139	Pipariya - SC	Virendra Belvanshi (In place of Guru Charan Khare)
3	218	Badnagar	Murli Morwal (In place of Rajendra Singh Solanki)
4	222	Jaora	Virender Singh Solanki (In place of Himmat Shrimal)

सुमावली से विधायक अजब सिंह कुशवाह को फिर टिकट दिया है, पहले इनके स्थान पर कुलदीप सिकरवार को टिकट दिया गया था। पिपरिया से वीरेंद्र बेलवंशी को टिकट दिया गया, यहां से पहले गुरुचरण खरे को टिकट दिया गया था। बड़नगर से मुरली मोरवाल को टिकट दिया गया, यहां पहले राजेंद्र सिंह सोलंकी को कांग्रेस ने टिकट दिया था। जावरा से वीरेंद्र सिंह सोलंकी को टिकट दिया गया यहां पहले हिम्मत श्रीमाल उम्मीदवार बनाए गए थे।

आमला पर कोई निर्णय नहीं

कांग्रेस की इस सूची में बैतूल जिले की आमला विधानसभा सीट पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। यहां से कांग्रेस ने मनोज मल्वे को प्रत्याशी बनाया। यह सीट इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां से डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे भी चुनाव लड़ना चाहती थी और चर्चा भी थी कि इस सीट से कांग्रेस बांगरे को टिकट भी दे सकती है, लेकिन पिछली सूची में कांग्रेस ने मनोज मल्वे को प्रत्याशी बना दिया।

स्वास्थ्य के मामले में प्रदेश देश के पिछड़े राज्यों में शुमार: कमलनाथ

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आरोप लगाया है कि शिवराज जी ने अपने 18 साल के कार्यकाल में मध्य प्रदेश को स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में देश के सबसे पिछड़े राज्यों में शामिल कर दिया है। यहां बीमार और गर्भवती महिलाओं को एंबुलेंस नहीं मिलती, आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज नहीं मिलता, मृतकों का उपचार दिखाकर घोटाला किया जाता है और व्यापम तथा नर्सिंग कॉलेज जैसे घोटालों से प्रदेश की छवि खराब की जाती है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने इन हालात को बदलने का संकल्प लिया है। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही हम स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनायेंगे। प्रदेश के नागरिकों के लिए वरदान स्वास्थ्य बीमा योजना प्रारंभ करेंगे, जिसमें परिवार सहित 25 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा एवं 10 लाख का दुर्घटना बीमा शामिल रहेगा। स्वस्थ मध्यप्रदेश, खुशहाल मध्यप्रदेश।

मप्र में कांग्रेस ने भाजपा की योजनाओं को बंद किया, अब फिर वचन पत्र में शामिल किया: अर्जुन मुंडा

भोपाल। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि मप्र में कांग्रेस ने जो वचन पत्र जारी किया है, उससे दिख रहा है कि कांग्रेस घबराई हुई है। अपना स्थान बनाने का पुनः प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार ने भाजपा सरकार की योजनाओं को बंद कर दिया। भारत सरकार में हर महीने एक योजना जिससे 2 लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। पेसा कानून बनाया उसका इंप्लीमेंट नहीं किया। पेसा कानून 15 नवंबर स्वाभिमान दिवस पर लाए थे।

भोपाल में प्रेस से बात करते हुए मुंडा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा झूठे वादे करती रही है। कांग्रेस ने वचनपत्र जनजातीय कानून लाने की बात की है। जनजातीय समुदाय के लिए अलग से कानून बनाए। बीजेपी सरकार ने अनुसूचित के 8 आवासीय विद्यालय,95 विद्यालय, सीएम राइस स्कूल बनाए। कांग्रेस ने अपने शासन काल में परिवार के माध्यम कार्य किया है। बीजेपी ने भगवान बिरसा मुंडा के जनदीन को गौरव दिवस के रूप में मनाए जाने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि रखने वाला प्रदेश है। कांग्रेस ने जनता की अनदेखी की, जनजातियों पर प्रहार किया उसका परिणाम जनजातियों ने ही नहीं अन्य समाजों ने भी बहिष्कार किया। सभी समाजों ने कांग्रेस को नकार दिया। कांग्रेस ने अपने वचन पत्र में बहुत सारी बातों को कहा है, यह सब छलावा है। आबादी के अनुसार योजनाएं बने, कार्यक्रम बने लेकिन अमल नहीं हुआ, इसलिए हम पिछड़ते गए। स्वास्थ्य, शिक्षा, आवागमन, सिंचाई, सहित अन्य मुद्दों पर बहुत ध्यान ही नहीं दिया गया। आदिवासियों का पलायन सबसे ज्यादा कांग्रेस के कार्यकाल में हुआ। पीएम मोदी के आने के बाद देश में सही मायने में विकास हुआ। आदिवासियों के आश्रम -विद्यालयों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई 1083 विद्यालय मिले।

भाजपा कार्यालय के शुभारंभ के दौरान कन्याओं को 50-50 रुपये बांटे, प्रत्याशी के भाई पर केस दर्ज

अशोकनगर। महाअष्टमी पर भाजपा कार्यालय के शुभारंभ के दौरान कन्या पूजन में बच्चियों को 50-50 रुपये बांटने पर अशोकनगर के भाजपा प्रत्याशी जजपाल सिंह जज्जी के भाई शीतल सिंह और भाजपा कार्यकर्ता प्रतापभानु सिंह यादव पप्पू रातीखेड़ा के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने आचार संहिता उल्लंघन का प्रकरण दर्ज किया है।

मले की शिकायत कांग्रेस प्रत्याशी हरिबाबू राय ने प्रशासन से की थी। इधर, भाजपा प्रत्याशी जज्जी ने कांग्रेस की शिकायत को न केवल सनातन विरोधी बताया, बल्कि अपनी संभावित हार से बौखलाहट वाला कदम बताते हुए कहा कि कांग्रेस स्पष्ट कर दे कि जिन कन्याओं को पैसे दिए गए हैं, वे मतदाता है क्या? उन्हें भेंट स्वरूप दी गई छोटी सी राशि चुनाव प्रभावित कर सकती है क्या।

जांच के बाद प्रकरण दर्ज

कन्या पूजन के समय भाजपा प्रत्याशी जजपाल सिंह जज्जी के भाई शीतल सिंह और वरिष्ठ भाजपाई प्रतापभान सिंह यादव पप्पू रातीखेड़ा की शिकायत चुनाव आयोग में कांग्रेस प्रत्याशी हरिबाबू राय ने की थी। इस शिकायत के आधार पर जांच के बाद दोनों ही भाजपा नेताओं पर आचार संहिता उल्लंघन का प्रकरण दर्ज किया गया है।

तिलक लगाकर पैसे देने का फोटो वायरल हुआ

कुछ बालिकाओं को तिलक लगाकर पैसे देने का फोटो जब कांग्रेस प्रत्याशी हरिबाबू राय की नजर में आया तो उन्होंने इस मामले की शिकायत चुनाव आयोग में की। शिकायत के बाद एफएसटी टीम के प्रभारी सुनील श्रीवास्तव द्वारा मामले पर संज्ञान लेते हुए दोनों की नेताओं को स्पष्टीकरण के लिए नोटिस जारी किया गया। इस मामले में दोनों ही नेताओं ने स्पष्टीकरण दिया था कि नवरात्रि की नवमी पर भाजपा प्रत्याशी जजपाल सिंह जज्जी के कार्यालय के शुभारंभ मौके पर कन्याओं का पूजन किया गया था। नवारात्रि पर कन्या पूजन के बाद उन्होंने 50-50 रुपए कन्याओं को देते हुए पैर छुए थे जो सनातनी परंपरा है। इस मामले से भाजपा प्रत्याशी का कोई लेना देना नही है। इस स्पष्टीकरण की जांच सहायक रिटर्निंग आफिसर से कराई गई। जांच के बाद यह माना गया कि गड्डी से नोट निकालकर दिए जा रहे हैं जिसको आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए कोतवाली में प्रकरण दर्ज कराया गया।

कांग्रेस नेता सुशील कुमार शिंदे ने राजनीति के लिया संन्यास, बेटी प्रणीति को सौंपी विरासत

मुंबई। पूर्व केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे ने राजनीति से संन्यास ले लिया है। उन्होंने अपनी राजनीतिक विरासत बेटी प्रणीति को सौंपी है। यूपीए सरकार में केंद्रीय गृह मंत्री रहे सुशील कुमार शिंदे ने एक कार्यक्रम के दौरान खुद यह एलान किया।

प्रणीति शिंदे सोलापुर से तीन बार विधायक रह चुकी हैं। वहीं सुशील कुमार सोलापुर सीट से तीन बार सांसद रहे हैं। सुशील कुमार ने अपनी बेटी का नाम आगे रखते हुए कहा, %मेरी बेटी 2024 का चुनाव लड़ेगी। जहां भी मेरी जरूरत होगी, मैं मौजूद रहूंगा। शिंदे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री के साथ-साथ 2012 में केंद्रीय गृह मंत्री और मनमोहन सिंह सरकार में ऊर्जा मंत्री भी रह चुके हैं।

सुशील कुमार शिंदे का राजनीतिक सफर

सुशील कुमार शिंदे 1971 में कांग्रेस पार्टी के सदस्य बने थे। उन्होंने 1974, 1980, 1985, 1990, 1992 में महाराष्ट्र राज्य विधानसभा चुनाव जीते। इसके बाद जुलाई 1992 से मार्च 1998 के दौरान महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए चुने गए। 1999 में उन्होंने उत्तर प्रदेश के अमेठी में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के अभियान प्रबंधक के रूप में काम किया।

2002 में शिंदे भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार भैरों सिंह शेखावत के खिलाफ चुनाव हार गए थे। उन्होंने 2003 से 2004 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्हें 30 अक्टूबर 2004 को सुरजीत सिंह बरनाला की जगह आंध्र प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया, जो तमिलनाडु के राज्यपाल बने।

चुनाव से पहले 67 लाख का सोना पकड़ा, 11 लाख कैश भी मिले

इटारसी। आचार संहिता लगने के बाद से इटारसी में सोने के आभूषण और नकदी पकड़े जाने लगातार दो मामले सामने आ चुके हैं। सोमवार-मंगलवार रात सिटी पुलिस ने बस स्टैंड से 38 लाख 67 हजार रुपए के सोने के आभूषणों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं जीआरपी ने दोपहर को स्टेशन से युवक को छह लाख रुपये नकदी के साथ पकड़ा है। दोनों मामलों की जानकारी पुलिस ने आयकर विभाग की टीम को दे दी है। पिछले दो दिनों में इटारसी से 67 लाख 6220 रुपये का सोना जब्त हुआ है। वहीं, 11 लाख रुपये की नकदी भी जब्त की गई है।

चुनाव प्रचार में ये क्या बोल गए कैलाश विजयवर्गीय-

मैं वह घोड़ा जिसे जितनी घास खिलाओगे उतना तेज दौड़ेगा

इंदौर। कैलाश विजयवर्गीय भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव इन दिनों इंदौर की विधानसभा एक में बतौर उम्मीदवार जोर आजमाइश कर रहे हैं। इस दौरान वो अपने चिर-परिचित बेबाक अंदाज में बयानबाजी भी करते नजर आये. लगातार सुर्खियों और चर्चाओं में बने रहते हैं उनके कई बयान. इस बार भी कार्यकर्ता सम्मेलन में अनौपचारिक चर्चा के दौरान उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया, जिससे वे फिर से एक बार चर्चाओं का केंद्र बन गए हैं। दरअसल कैलाश विजयवर्गीय ने इस बार अपने कार्यकर्ताओं से चर्चा के दौरान कहा कि अगर 500 या 1000 वोटों से मैं जीता तो इसे मैं जीत नहीं मानता, इसलिए आप यह समझ लीजिए कि मैं वह घोड़ा हूं जिसे जितनी घास खिलाओगे उतना वह तेज दौड़ेगा।

सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा एक के एक स्थानीय कार्यक्रम में अपने कार्यकर्ताओं से बातचीत की और उनसे कहा की 500 या 1000 वोटो की जीत मेरे लिए मायने नहीं रखती है, इसलिए आप इस बात को अच्छे से समझ लीजिए कि मैं वह घोड़ा हूं जिसे जितनी घास खिलाओगे वह उतना ही तेज दौड़ेगा। कैलाश विजयवर्गीय की इंदौर संभाग में मजबूत पकड़ है, ऐसे में पार्टी ने उन्हें विधानसभा में उम्मीदवार बनाया है. उनके सामने कांग्रेस पार्टी ने संजय शुक्ला को उम्मीदवार बनाया है. संजय शुक्ला फिलहाल इंदौर एक विधानसभा के मौजूदा विधायक हैं।

मध्य प्रदेश की सबसे हॉट-सीट बनी इंदौर-1

इस सीट से प्रत्याशी बनाए जाने के बाद से लगातार विजयवर्गीय यहां पर एक्टिव हैं और अपनी बयानबाजी से सभी का ध्यान भी अपनी ओर खींच रहे हैं. इससे पहले भी कैलाश विजयवर्गीय अपने बयानों को लेकर चर्चाओं में बने रहे हैं और जैसे-जैसे चुनाव तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे उनके बयान भी तीखे और प्रचार अभियान तेज होता जा रहा है. दरअसल कैलाश विजयवर्गीय के नाम के ऐलान के बाद ये सीट मध्य प्रदेश की हॉट सीट बन चुकी है. इसका पहला कारण तो खुद बीजेपी के स्टार नेता कैलाश विजयवर्गीय हैं और दूसरा की ये सीट बीजेपी के गढ़ कहलाने वाले इंदौर में कांग्रेस के नेता के पास है.

इधर पहुंच गए कांग्रेसी कमिश्नर के पास

मध्य प्रदेश की इस हॉट सीट पर कड़ी मेहनत कर रही है कांग्रेस भी. इस सीट को जीत कर कांग्रेस एक विधानसभा सीट अपने संख्याबल में बढ़ाना चाहती ही है, लेकिन एक बड़ा राजनीतिक संदेश भी बीजेपी को देना चाहती है. ऐसे में पार्टी कोई कसर छोड़ने के मूड में नहीं है. इसी कड़ी में इंदौर पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर से मिलने के लिए कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल उनके कार्यालय पहुंचा और शहर की विधानसभा में असामाजिक तत्वों को लेकर पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि कई गुंडे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के साथ उनके चुनाव प्रचार में लिप्त हैं और ऐसे में निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते हैं। कांग्रेस के नेताओं ने इस मामले में पुलिस से ऐसे गुंडों पर कार्रवाई की मांग की है।

खड़गे बोले- क्या मोदी पीएम से सीएम बनेंगे

निगम–विधानसभा हर चुनाव में लोगों से कहते हैं– मुझे चुनो

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर चुनाव में लोगों से कहते हैं- मुझे चुनो। क्या वो प्रधानमंत्री से मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं? लोग स्थानीय मुद्दों पर वोट करते हैं। कांग्रेस अच्छा काम कर रही है। हम पांचों राज्यों में चुनाव जीतेंगे।

कर्नाटक के कलबुर्गी में जब उनसे सवाल किया गया कि क्या 5 राज्यों के चुनाव 2024 के आम चुनावों का सेमीफाइनल होंगे? इस पर खड़गे ने कहा- ऐसा नहीं है। हर राज्य के अलग-अलग चुनावी मुद्दे हैं, उन्हीं के हिसाब से वोटिंग होती है। लोकसभा के चुनाव विधानसभा से अलग होते हैं।

नगर निगम का चुनाव हो या लोकसभा का। हर चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी लोगों से खुद को चुनने को कहते हैं। खड़गे ने पूछा- क्या वह खुद ष्टरूबनने जा रहे हैं? मेरा मानना है कि लोग स्थानीय मुद्दों पर

नेताओं को वोट देते हैं। जिन्होंने उनके लिए काम किया लोग उसे वोट करेंगे। खड़गे ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दलों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर कहा कि पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद इस पर चर्चा की जाएगी।

पांचों राज्यों में अपने दम पर बनाएंगे सरकार: लांबा

भोपाल। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता अल्का लांबा ने कहा है कि ईडी और सीबीआई के डर से मीडिया पर दबाव बनाया जायेगा और बनाया जा रहा है। कई मीडिया संस्थानों के ईडी सीबीआई की कार्यवाही भी हुई है। ऐसे में मीडिया की स्वतंत्रता की बात सोची तक नहीं जा सकती। सुश्री लांबा आज पीसीसी में संवाददाताओं से चर्चा कर रही थीं। सुश्री लांबा ने कहा कि हम राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम , तेलंगाना, मप्र में अपने दम पर सरकार बनायेंगे। मध्यप्रदेश के उज्जैन में 12 साल की बच्ची के साथ जो हुआ उसके बाद उसे कोई सहायता नहीं करना यह बताता है कि अपराधियों के साथ सरकार मिली हुई है। उन्होंने कहा कि हमने वचन पत्र में15 महीने की सरकार में कांग्रेस ने क्या किया उसे रखा है। 11 मुद्दे जनता के सामने रखे। जिसमें किसानों की कर्ज माफी, बिजली मुफ्त, 15 रुपए लाडली बहाना योजन, 500 में गैस सिलेंडर के साथ ही अन्य बातें कहीं हैं। सरकार बनने के साथ ही 11 मुद्दों को पूरा किया जायेगा। मध्यप्रदेश में बढ़े स्तर पर खाद्य पदार्थों का कारोबार हो रहा है। वर्तमान में त्यौहारों का समय चल रहा है और मावा जैसे खाद्य पदार्थ मिलावटी बिक रहे है।

यूएन अधिकारियों को वीजा नहीं देगा इजराइल,सीजफायर की मांग से नाराज

तेल अवीव। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग का आज 19वां दिन है। इस बीच यूएन में इजराइल के एम्बेसडर गिलाद इरदान ने बताया है कि इजराइल ह अधिकारियों को वीजा नहीं देगा। इरदान ने बताया- हमने पहले ही मानवीय मामलों के अधिकारी मार्टिन ग्रिफिथ्स को वीजा देने से इनकार कर दिया है। दरअसल, इजराइल यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस के बयान से नाराज हैं। मंगलवार को गुटेरेस ने कहा था- फिलिस्तीनी इस जंग में जो सह रहे हैं, उसके बावजूद भी हमास के हमलों को सही नहीं ठहराया जा सकता। इसी तरह हमास के हमलों की सजा सभी फिलिस्तीनियों को मिलना भी सही नहीं है।

मप्र के कई जिलों में महंगा हुआ ईंधन, क्रूड ऑयल में भारी गिरावट

भोपाल। आज फिर तेल की कंपनियों ने फिर पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी किए है। भारत के विभिन्न जिलों में पेट्रोल और डीजल के कीमतों में उतार-चढ़ाव का सिलसिला लगातार जारी रहता हैं। वहीं आज 25 अक्टूबर के दिन मध्यप्रदेश में कुछ जिलों में पेट्रोल-डीजल के भाव कोई बदलाव देखने को नहीं आया है।

आये दिन अभी भी कच्चे तेल में गिरावट और बढ़ोत्तरी का सिलसिला जारी रहता है। ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट क्रूड की कीमत 88.11 डॉलर प्रति बैरल पर बिजनेस कर रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई 83.75 डॉलर प्रति बैरल पर बिजनेस करता हुआ दिखाई दे रहा है।

इन जिलों में महंगा हुआ पेट्रोल और डीजल

मध्यप्रदेश के शिवपुरी में जिले में पेट्रोल पर 89 पैसे और डीजल पर 82 पैसे की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। भोपाल में पेट्रोल पर 17 पैसे और डीजल पर 15 पैसे का

उछाल आया है। यहां पेट्रोल के भाव 108.65 रुपये और डीजल की 93.90 रुपये में मिल रहा है। खरगोन में पेट्रोल पर 74 पैसे और डीजल पर 69 पैसे की वृध्दि हुई है।

धार में पेट्रोल पर 41 पैसे और डीजल पर 37 पैसे का उछाल आया है। दमोह में पेट्रोल पर 41 पैसे और डीजल पर 38 पैसे बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। इसके अलावा अन्य जिलों जैसे - हरदा, मुरैना, सतना, सीधी, भिंड, रायसेन और बड़वानी में भी पेट्रोल और डीजल के कीमतों में उछाल देखा गया है। मध्यप्रदेश के इंदौर में शहर में पेट्रोल 20 पैसे और डीजल पर 18 पैसे की कमी आई है। यहां पेट्रोल की कीमत 108.66 रुपये और डीजल का 93.94 रुपये में मिल रहा है। उज्जैन में पेट्रोल पर 21 पैसे और डीजल पर 19 पैसे की कटौती हुई है। यहां पेट्रोल के दाम 108.81 रुपये और डीजल की 94.08 रुपये में बिक रहा है। राजगढ़ में ओएट्रोल पर 86 पैसे और डीजल पर 79 पैसे की गिरावट हुई है।

इसके अलावा अन्य जिलों जैसे बालाघाट, छतरपुर, रतलाम, सागर, आगर मालवा, अशोकनगर, राजगढ़, सिंगरौली, देवास, झाबुआ, पन्ना,और विदिशा में भी ईंधन के भाव में कटौती हुई है। मंडला में पेट्रोल पर 1.07 रुपये और डीजल पर 98 पैसे की कमी आई है। बेतूल में पेट्रोल पर 55 पैसे और डीजल पर 50 पैसे की गिरावट दर्ज की गई है। रीवा में 19 पैसे की गिरावट के साथ पेट्रोल के रेट 111.05 रुपये तक पहुँच चुके है।

फार्म हाउस के मालिक बनें
मात्र 51000/- की
बुकिंग राशि में
हमारे पूर्ण विकसित प्रोजेक्ट
DREAMLAND FARM
कोलार रोड़ में बुक करें और
तुरंत पजेशन प्राप्त करें।
ऑफर मात्र नवरात्रि तक
सम्पर्क -7470487994

निरंकारी संत समागम के लिए बैरागढ़ भोपाल से सैकड़ों निरंकारी होंगे रवाना

28, 29 एवं 30 अक्टूबर को होने जा रहा है संत समागम, जुटेंगे लाखों श्रद्धालु

संत हिरदाराम नगर। संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा हरियाणा में निरंकारी मिशन का 76वां वार्षिक संत समागम, पिछले 75 वर्षों की भांति इस वर्ष भी भव्यतापूर्वक 28, 29 एवं 30 अक्टूबर को सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता के सान्निध्य में आयोजित होने जा रहा है। इस समागम का भरपूर आनंद विश्वभर से आये हुए सभी निरंकारी भक्त एवं श्रद्धालुओं द्वारा प्राप्त किया जायेगा। जहां हर प्रांत से आये हुए भक्त अपने हृदय में वसुदैव कुटुम्बकम का सुंदर भाव लिए हुए एक विस्तृत परिवार के रूप में सतगुरु के साकार दर्शन एवं उनकी दिव्य वाणी को श्रवण करेंगे। संत निरंकारी मंडल बैरागढ़ ब्रांच के संयोजक महेश वीधानी ने बताया कि 76वें वार्षिक संत निरंकारी समागम में जाने के लिए 26 अक्टूबर को सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु बैरागढ़-भोपाल से समालखा के लिए रवाना होंगे । उन्होंने बताया कि बैरागढ़ भोपाल की साध संगत के लिए समागम स्थल के ग्राउंड सी में टेन्ट नंबर 379 और 380 में रूकने की बेहतर की व्यवस्थाएं की गई है। उन्होंने बताया कि इस पावन संत समागम में समस्त भारतवर्ष के अतिरिक्त दूर देशों से भी लाखों की संख्या में आने वाले सभी श्रद्धालु भक्तों के लिए समुचित प्रबन्ध व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि संत निरंकारी समागम में सेवा की अद्भुत मिसाल पेश की जाती है सेवा की महत्ता का जिक्र निरंकारी मिशन की संपूर्ण हरदेव बाणी में भी किया गया है कि निरिच्छित निष्काम सेवा अमृत के समान है। कहे हरदेव गुरू का इसमें छुपा हुआ वरदान है। निश्चित रूप में इस दिव्य निरंकारी संत समागम में हर उस महानुभाव का हृदय से हार्दिक अभिनन्दन है, जो यहां आकर स्वयं को प्रेम, एकत्व एवं शांति के इस पावन पर्व में सम्मिलित कर परम् आनंद की अनुभूति प्राप्त करना चाहता है।

एकता पुरी मैदान में हुआ भव्य दशहरा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सेमरा स्थित एकता पुरी दशहरा मैदान में मातृ छाया दशहरा उत्सव संस्कृति समिति द्वारा भव्य दशहरा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा नरेला प्रत्याशी विश्वास सारंग की उपस्थिति एवं महापौर मालती राय की उपस्थिति में एकता पुरी दशहरा मैदान में 61 फीट का रावण 51 51 फीट के मेघनाथ और कुंभकरण का दहन किया गया जिसमें भोपाल के प्रसिद्ध भजन गायक की उपस्थिति एवं मंडलियों द्वारा शोभायात्रा निकल राम बारात के साथ रावण का वध किया गया इस मौके पर उपस्थित समिति के अध्यक्ष दीपक ठाकुर सचिव प्रमोद ठाकुर समिति के संरक्षक रामस्वरूप कुशवाहा कोषाध्यक्ष वरुण ठाकुर उपाध्यक्ष प्रदीप समिति के प्रचार मंत्री प्रदीप ठाकुर की उपस्थिति में हजारों भोपाल वासियों के बीच में दशहरे का भव्य आयोजन किया गया इस मौके पर अध्यक्ष दीपक ठाकुर ने बताया कि की विधायक कई वर्षों से हम इस एकता पुरी दशहरा मैदान में रावण दहन का कार्यक्रम करते हैं जिसमें अलग-अलग क्षेत्र से लोग आते हैं और दशहरे का आनंद लेते हैं और आज हम बुराई का अंत और अच्छाई की जीत का रावण जलाकर दशहरा पर्व मनाते हैं इस दशहरे पर सभी शहर वासियों को मेरी मेरी समिति की तरफ से दशहरे की शुभकामनाएं और हमारी समिति ऐसे आयोजन समय-समय पर करती रहती है जिससे धर्म के युवाओं को एक नई प्रेरणा मिले।

पारंपरिक वेषभूषा में मनाया गया नवरात्रि गरबा महोत्सव

सूरजगंज इटारसी में गरबा नाइट में महिलाओ ने विशेष रूप से भारतीय पारंपरिक वस्त्रों को बढावा देकर गरबा महोत्सव मनाया, जिसमें विशेष रूप से माता रानी के पारंपरिक गानों भजनों पर गरबा किया गया, सूरजगंज गरबा नाइट में टीम के सभी लोगों ने मिलकर भारतीय गुजराती बंगाली परंपरा के को ध्यान में रखते हुए गरबा महोत्सव को आनंदमयी बनाया, सूरज गंज गरबा महोत्सव में अमनप्रीत कौर, रूबी अग्रवाल, कामाँक्षा , डाक्टर रुचि अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे. ईशान टाउन, श्री शारदा समिति और कामाँक्षा की ओर से पुरूस्कार वितरण किया गया । कामाँक्षा की अंकिता चंद्रवंशी ने बताया कि बेस्ट गरबा आउटफिट , बेस्ट गरबा मेकअप, बेस्ट गरबा डांस में 3 केटेगरी में पुरूस्कार वितरण किए गए और कहा की आगे भी ऐसे आयोजन करते रहेगें।

प्राकृतिक चिकित्सा का उद्देश्य साधको को बिना दवा तंदुरूस्त करना: डॉ गुलाब राय

संत हिरदाराम नगर। आरोग्य केन्द्र द्वारा 14 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का आयोजन किया गया हैं जिसका भव्य अनुभव समारोह आयोजित किया गया। शिविर की गतिविधियों पर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने प्रकाश डालते हुए बताया कि इस शिविर में अलग-अलग स्थानों से संत हिरदाराम नगर में पधारे साधकगण जिसमें से मध्यप्रदेश से 23, गुजरात से 11, दिल्ली से 9, महाराष्ट्र से 7, हरियाणा से 6, छत्तीसगढ़ से 4, पंजाब से 9, राजस्थान से 4, उत्तरप्रदेश से 6 और तेलंगाना से 2 साधकगणों ने भाग लिया। डॉ. गुलाब राय टेवानी ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य हैं कि साधको को बिना दवा तंदुरूस्ती प्रदान करना। जब आप प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाते हैं तो आप जीवन में सदैव के लिए निरोग हो जाते हैं और जीवन में कभी रोग नहीं आता हैं। प्राकृतिक चिकित्सा और योग ऐसी पद्धति हैं जिससे आप कभी-भी रोग ग्रस्त नहीं हो सकते हैं।

ध्रुव नारायण सिंह शाहपुरा के दशहरा उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार ध्रुव नारायण सिंह मध्य विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शाहपुरा दशहरा उत्सव संस्कृति कल्याण समिति शाहपुरा अहिल्याबाई चौराहे पर मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए। शाहपुरा दशहरा उत्सव संस्कृति कल्याण समिति के अध्यक्ष भरत सिंह पाल ने श्री सिंह का पुष्प गुच्छ साफा पहनाकर स्वागत किया। भाजपा मध्य विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार ध्रुव नारायण सिंह ने दशहरा उत्सव महोत्सव के आयोजन में कहा की यह हिंदू धर्म में बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने वाले त्योहारों में से एक है। दशहरा न केवल हिंदुओं द्वारा मनाया जाता है, बल्कि देश के अन्य धर्मों जैसे मुस्लिम, ईसाई और सिखों द्वारा भी मनाया जाता है। दशहरा को नवरात्रि उत्सव के रूप में भी जाना जाता है, जिसे भारतीय घरों में खुशी फैलाने के लिए मनाया जाता है। तद्पश्चात विधिवत प्रभु श्रीराम जी की पूजा अर्चना कर प्रभु श्रीराम का राजतिलक किया गया। यहां भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ रावण, कुम्भकरण, मेघनाथ के पुतलों के दहन किया गया।

महानवमी पर मुख्यमंत्री के साथ गोविंदपुरा भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर ने पखारे पांव, की बेटियों की पूजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महानवमी के अवसर पर सीएम हाउस में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं साधना सिंह के साथ के साथ गोविंदपुरा भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर नें कन्या पूजन किया। 350 से अधिक कन्याओं के चरण धोकर वंदना की और देवी स्वरूप कन्याओं पर पुष्प वर्षा की। इसके साथ ही कन्याओं को अपने हाथों से भोजन कराया। इस दौरान गोविंद पुरा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर नें कहा कि मां के चरणों में एक ही प्रार्थना है कि वह अपनी कृपा और आशीर्वाद की वर्षा करें। सब सुखी और निरोगी हों, सबका मंगल और कल्याण हो।

गोविंदपुरा भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर नें सोमवार को वार्ड क्रं 61 के जनमिलन कार्यक्रम के दौरान एस.ओ.एस बालग्राम, गोपाल नगर, मायाधाम, एस.आर.जी., श्रीराम विला, कृष्णा नगर कांता श्रवण भगवती, सोनपुरा, खजूरी गांव में स्थानीय नागरिकों से प्रत्यक्ष भेंट कर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इसके अलावा शिव शक्ति मंदिर ऋषिपुरम फेस 02 बी.डी.ए रोड अवधपुरी गरबा महोत्सव, श्री राम मंदिर न्यू श्रीराम परिसर कॉलोनी अवधपुरी में हवन, भण्डारा व बच्चो को प्रोत्साहन पुरस्कार वितरण कार्यक्रम, उमा विहार कॉलोनी बड़े गार्डन के पास महा नवमी कार्यक्रम, शक्ति नगर कालीबाडी में महा नवमी कार्यक्रम, गोपाल नगर सेक्टर ए में महाआरती कार्यक्रम, शिवलोक फेंस 5 कॉलोनी मंदिर प्रांगण में गरबा महोत्सव, लैण्ड मार्क गार्डन लालघाटी में मेगा सेमिनार ग्लिटर अवार्ड कार्यक्रमों में सम्मिलित हुई।

पीले पाषाण से निर्मित हो रहे जैन मंदिर में सहस्त्रकूट जिनालय के कनपिट कार्य का भव्य शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल शहर में पीले पाषाण से निर्मित होने वाले पंचबालयति, त्रिकाल चौबीसी एवं सहस्त्रकूट जिनालय का एमपी नगर (हबीबगंज) में कार्य निरंतर प्रगति पर है, जहां पर अभी भूतल पर ध्यान केन्द्र, संत निवास के कमरों एवं परिक्रमा पथ का कार्य अंतिम चरण है, प्रथम तल पर मुख्य गर्भगृह की वेदी के साथ ही दो अन्य गर्भगृह की वेदी, सीढ़ियो का कार्य भी पूर्णत: की ओर है। द्वितीय तल पर भी गर्भगृह व चौबीसी की वेदियों का कार्य प्रगति पर है ओर सहस्त्रकूट जिनालय की 17 फीट आधारशिला का कार्य भी पूर्ण हो चुका है । इसी तारतम्य में सहस्त्रकूट जिनालय की कनपिट के कार्य का भव्य शुभारंभ दशहरे के शुभ अवसर किया गया । इस कार्यक्रम को विधि विधान के साथ पं. नितिन जैन जी के मार्गदर्शन में सहस्त्रकूट जिनालय के मुख्य मूलनायक के दातार विनोद चौधरी अनुपम, मूलनायक के दातार संतोष राजकुमारी सर्राफ सहित उपस्थित अन्य दानदाताओं के सानिध्य में संपन्न हुआ एवं जिनालय के कनपिट पर लगने वाली शिलाओ पर भी प्रभात जैन चक्रवर्ती, पंचायत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अशोक पंचरत्न, जीवनलाल रवि मड़वाईया, प्रदीप रेखा साक्षी नौहारकला, सुनील जैन 501, को बीजा अक्षर लिखने का सौभाग्य मिला ।

इस अवसर पर पंचायत कमेटी अध्यक्ष मनोज जैन बांगा, निर्माण मुख्य संयोजक राकेश जैन ओएसडी, निर्माण वित संयोजक देवेन्द्र जैन रुचि, निर्माण सदस्य व पंचायत पूर्व अध्यक्ष पंकज जैन सुपारी, निर्माण व्यय वित सदस्य जितेन्द्र जैन, एमपी नगर मंदिर प्रभारी विजय मोदी, एमपी नगर मंदिर संयोजक प्रदीप जैन स्वीट्स, नरेंद्र वंदना, अरविंद जैन सुपारी, ऋषभ जैन प्रगति, मंगलवारा मंदिर अध्यक्ष आदित्य जैन मनया, मूर्ति कमेटी संयोजक योगेश वंदना, ट्रस्ट उपमंत्री दिलीप जैन मिंगू, विपिन जैन एमपी, नील चौधरी, पंचायत ट्रस्टीगण ऋषभ जैन कोतवाली, दिनेश जैन, अभिराज जैन एडवोकेट, सुनील जैन पब्लिसर, अविचल जैन, आजाद जैन मोदी, डा एस के जैन, अमित मोदी, संजय जैन जैनवेज, इंजी संजय गिरधरवाल, प्रबोद शाह सहित समाज के गणमान्य परिवार उपस्थित थे ।

बिछिया विधानसभा में केंद्रीय मंत्री की चुनावी जनसभा

भाजपा ने लालच देकर वोट कभी नहीं मांगा: प्रहलाद पटेल

मंडला। आजादी के बाद से कांग्रेसियों ने जनता के साथ कैसा व्यवहार किया है, ये शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। इस चुनाव में भी बहुरूपिये कांग्रेसी वादों की लिस्ट लेकर आ रहे हैं, लेकिन पहले इनसे पुराना हिसाब मांगना होगा। कांग्रेस ने 15 महीने की सरकार में क्या किया, इस पर बहुत अच्छे से विचार करने के बाद फैसला लेना होगा। कांग्रेस के सामने रावण का अहंकार भी कहीं नहीं टिकता। लेकिन इस चुनाव में हमारी शक्तिस्वरूपा मातृशक्ति अन्याय के रावण का वध करने तत्पर है। यह बात केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग एवं जलशक्ति राज्य मंत्री प्रह्लाद पटेल ने मंडला जिले की बिछिया विधानसभा के ग्राम लफरा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन व जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इसके उपरांत पटेल ने सिवनी जिले के लखनादौन में भी जनसभा को संबोधित किया। केन्द्रीय मंत्री पटेल ने आदिवासियों के धैर्य एवं साहस को प्रणाम करते हुए कहा कि आदिवासियों का चरित्र कभी लालच और वैमनस्यता के आसपास भी नहीं रहा। उन्होंने हमेशा दुनिया को दिया है, लिया कभी कुछ नहीं। पटेल ने कहा कि आज एक बार फिर से इतिहास स्वयं को दोहरा रहा है। आदिवासियों के भोजन को गरीबों का खाना कहकर तिरस्कार करने वाले अब फिर से उसी खाने के लिए आदिवासियों पर आश्रित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्न (कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा) को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया में प्रतिष्ठित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमारे आदिवासियों की जीवन शैली को वैज्ञानिक शोधों के आधार पर भी सर्वोत्तम माना गया है, ये हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

विकास की दोगुनी रफ्तार के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी: पटेल ने कहा कि भाजपा को वोट इसलिए चाहिए कि जिन लोगों के सिरों पर अभी प्रधानमंत्री आवास की छत नहीं है, उन्हें छत दी जा सके। जिन गांवों और घरों में पानी नहीं पहुंच सका है, वहां पानी पहुंचाया जा सके। जिन माताओं-बहनों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन नहीं मिला है, उन्हें गैस दी जा सके। पटेल ने कहा कि हम डबल इंजन की सरकार इसलिए चाहते हैं ताकि विकास की रफ्तार दोगुनी हो सके। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर विजय आनंद न केवल पढ़े-लिखे हैं, बल्कि जनता की सेवा में समर्पित भी हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. आनंद ने कोरोना काल में किस तरह से मरीजों की सेवा की थी और उनके जीवन को बचाया था। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आपका एक सही चुनाव आपके और आपकी पीढ़ियों के भविष्य पर प्रभाव डाल सकता है।

भाजपा में शामिल हुए युवा: कार्यकर्ता सम्मेलन और जनसभा के दौरान केन्द्रीय मंत्री पटेल की उपस्थिति में बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इन युवाओं में राजा केवट, सुनील केवट, संतोष मरकाम, अंचल केवट, गोविंद केवट, लच्छी केवट, सौरव केवट, सुनील केवट, अंचल केवट एवं दुर्गेश नंदा आदि शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री पटेल ने सभी नए साथियों का पार्टी में स्वागत कर बधाई दी।

मंत्री सारंग ने किया वार्ड 77 में जनसंपर्क

भोपाल। नरेला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विश्वास सारंग ने वार्ड 77 में जनसंपर्क किया। उन्होंने कहा कि नरेला की जनता का मानना है कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बने। नरेला में प्रचंड बहुमत से भाजपा की जीत होगी। आज सभी घरों में आरती उतारी जा रही है रंगोली बनाई जा रही है। नरेला के हर घर में हो रहा है विश्वास विजय वाहिनी का गठन। नरेला का हर एक व्यक्ति चुनाव लड़ रहा ह।

29 अक्टूबर को होगा सिंधी नाटक पोस्टकार्ड का मंचन

भोपाल। अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा के बैनर पर रविवार 29 अक्टूबर की शाम सिन्धु भवन भोपाल में सम्मानित हो रही विभूतियां कला, संगीत और लेखन के क्षेत्र में माहिर हैं। निर्णायक समिति द्वारा इस वर्ष चित्रकला के लिए भोपाल के चित्रकार श्री रमेश नानवाणी का चयन किया गया है। राजधानी से दो अन्य चयन हुए हैं जिनमें 94 वर्ष के गजल गायक और शास्त्रीय संगीत में सिद्धहस्त बुजुर्ग फनकार प्रताप राय तनवाणी और सिंधी अखबार अखंड सिन्धु संसार के संपादक श्री ज्ञान लालवाणी भी शामिल हैं। पुरस्कार समारोह के अवसर पर कविता इसराणी के निर्देशन में सिन्धी नाटक पोस्टकार्ड का मंचन भी किया जाएगा। सिन्धी साहित्य सभा के क्षेत्रीय सचिव श्री साबू रीझवाणी ने बताया कि इस वर्ष सभा द्वारा दिल्ली अथवा मुम्बई के स्थान पर भोपाल में वार्षिक समारोह हो रहा है। इसमें जयपुर के वरिष्ठ लेखक श्री भगवान अटलाणी को अदीब अवार्ड, मुम्बई के श्री भोजराज खेमाणी को भाषा अवार्ड, दिल्ली के श्री हीरो ठकुर को साहित्य अवार्ड, नागपुर के श्री किशोर लालवाणी को नाटक अवार्ड और नागपुर की गायिका मंजूश्री आसुदाणी को संगीत अवार्ड प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में साहित्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वतंत्रता सेनानी श्री शंभु जयसिंघाणी सहित अन्य पदाधिकारी भोपाल पधार रहे हैं।

ओरछा में भगवान रामराजा सरकार के दर्शन कर मुख्यमंत्री ने जनसभा में दिलाया भाजपा की जीत का संकल्प

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मैं बहनों और बेटियों को देवी स्वरूप मानता हूं इसलिए बेटियों के पांव धुलता हूं। मुझे गर्व है मैं भारतीय संस्कृति का उपासक हूं और मैं सनातन की परंपराओं का सम्मान करता हूं। यह कांग्रेस वाले कुछ भी कहते रहे। मैं कन्या पूजन भी करूंगा, उनके पांव पखारूंगा और उस पानी को माथे से लगाऊंगा। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को ओरछा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही। दशहरे के दिन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह ने ओरछा में सभा को संबोधित कर भारतीय जनता पार्टी को विजय बनाने का संकल्प दिलाया। सभा में उमड़े जनसैलाब को प्रणाम करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विजयादशमी के पावन अवसर पर भी आपकी इतनी संख्या में मौजूदगी भाजपा के प्रति विश्वास व्यक्त करती है मैं आप सभी को प्रणाम करता हूँ, मेरी बहनों तुम्हारी जिंदगी बेहतर बनाने में मैं कोई कसर नहीं छोडूंगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिग्विजय सिंह द्वारा कन्या पूजन को लेकर दिए गए बयान पर सभा में पलटवार करते हुए कहा की पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा कन्या पूजन को नाटक नौटंकी बताना सनातन संस्कृति का अपमान है। श्री चौहान ने कहा मुझे कहते हुए बहुत दर्द और पीड़ा है, बेटियों की पूजा सनातन का संस्कार है, कल पूरा देश बेटियों की पूजा कर रहा था। बेटियों के पांव पखारे जा रहे थे। कन्या भोज किए जा रहे थे। लेकिन कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह जी को बेटियों की पूजा नाटक-नौटंकी लगती है। बेटियों के पूजन को दिग्विजय सिंह नौटंकी कहते हैं। उन्होंने कहा आप जैसी घटिया सोच वाले बेटियों की पूजा और बेटियों का सम्मान सहन नहीं कर पाते हैं। दिग्विजय सिंह जी यह आपके संस्कार होंगे लेकिन मैं तो रोज बहन-बेटियों की पूजा करता हूं और करता रहूंगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कांग्रेस से सवाल करते हुए कहा कि कांग्रेस अपना स्टेंड साफ करे, मैं मल्लिकार्जुन खड़गे जी और मैडम सोनिया गांधी से पूछता हूं... क्या बेटी की पूजा नाटक नौटंकी है..! सारे देश ने बेटियों की पूजा की है। कांग्रेस का स्टैंड क्या है। कांग्रेस अपने स्टैंड को साफ करें,.. क्या कांग्रेस बेटियों और कन्या पूजन के खिलाफ है।

फिल्म निर्माता-निर्देशक मंजू गौतम ने किया भंडारे का आयोजन

भोपाल। दुर्गा नवमी पर विशाल भंडारा संपन्न हुआ संतोषी बिहार में यहां पर फिल्म निर्माता निर्देशक श्रीमती मंजू गौतम ने महिलाओं को काली मंदिर पर श्रृंगार सामग्री एवं साड़ी वितरण भी इस अवसर पर वीरेंद्र त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की रीति, नीति, विचारधारा और गरीब कल्याण के कार्यों से प्रभावित होकर ग्वालियर में कांग्रेस नेत्री श्रीमती आशा दोहरे, नगर पालिका की पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्रीमती अनीता जैन और कांग्रेस के प्रदेश सचिव श्री राकेश जैन अनमोल, शिवपुरी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने श्रीमती आशा दोहरे, श्रीमती अनीता जैन और श्री राकेश जैन को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। श्रीमती आशा दोहरे वर्ष 2020 में हुए अशोक नगर विधानसभा के उप चुनाव में कांग्रेस पार्टी की प्रत्याशी रही हैं।

केन्द्रीय मंत्री तोमर ने ग्वालियर में संभागीय मीडिया सेंटर का किया शुभारंभ

ग्वालियर। केन्द्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नरेन्द्र सिंह तोमर ने मंगलवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ ग्वालियर में पार्टी के संभागीय मीडिया सेंटर का शुभारंभ किया। विधिवत पूजा-अर्चना करने के बाद केन्द्रीय मंत्री ने पार्टी नेताओं के साथ फीता काटकर मीडिया सेंटर का शुभारंभ किया। केन्द्रीय मंत्री ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि पार्टी के इस मीडिया सेंटर से पत्रकारों को हर जानकारी मिलेगी। यह मीडिया सेंटर सिर्फ मीडिया सेंटर नहीं बल्कि फ्रेंडली सेंटर होगा। लोकतंत्र में मीडिया का अहम रोल है। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार ने जनकल्याण के जो काम किए हैं, उन्हें मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचाने का काम यह मीडिया सेंटर करेगा। विपपार्टियां सनातन को नुकसान पहुंचाने का षड्यंत्र रच रही हैं। कांग्रेस आज असत्य का प्रतीक बन गई, लेकिन इनका यह षड्यंत्र साकार नहीं होगा, चुनाव में जनता इन्हें सबक जरूर सिखाएगी।

केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा आज ही भारतीय जनता पार्टी विजयादशमी के अवसर पर जो असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है, उस दिन अपने मीडिया सेंटर का शुभारंभ कर रही है। जैसा कि मैंने पहले ही बताया है कि दशहरा असत्य पर सत्य की विजय को दर्शाता है, इसी प्रकार इस चुनाव में भी सनातन को नुकसान पहुंचाने वाली इन विपपार्टियों को हराकर विजयका रास्ता भाजपा के लिए सुनिश्चित करने का कार्य यह संभागीय मीडिया सेंटर करेगा। बूथ से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक के कार्यकर्ता की मेहनत का प्रतिफल हमें मिलेगा और इसमें यह मीडिया सेंटर कार्यकर्ता, सामान्यजन और मीडिया के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करेगा।

केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि मिस्टर बंटाढार और कमलनाथ का मीडिया से कैसा व्यवहार रहता है, सबको पता है। कांग्रेस का मीडिया के प्रति व्यवहार अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में हर क्षेत्र में विकास ही विकास हुआ है। विकास की यह रफ्तार आगे भी जारी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी जी का एक ही मूलमंत्र है सबका साथ और सबका विकास। इसी मूलमंत्र को लेकर हर क्षेत्र में विकास किया जा रहा है।

निगम आयुक्त ने लिया सफाई व्यवस्था का जायजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने शहर की साफ सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के दृष्टिगत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में साफसफाई व्यवस्था का अवलोकन किया और सड़कों, मार्गों, गलियों आदि की सफाई कार्य में निकलने वाले कचरे को तत्काल उठवाने को कहा और कहीं भी जीवीपी न बनने देने के निर्देश दिए साथ ही सड़कों पर कचरा फेंकने वाले दुकानदारों को समझाइश देने व उनके विरूद्ध स्पाट फाईन की कार्यवाही करने, कालोनियों के बाहर कचरा फेकने वालों को भी खुले में कचरा फेकने की समझाइश देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में साफ सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया और सड़कों, गलियों, मार्गो, सार्वजनिक स्थलों आदि की सफाई के साथ घर-घर से कचरा एकत्रीकरण, कचरा परिवहन व निष्पादन के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि सड़कों, गलियों, मार्गों सहित सभी स्थानों से सफाई कार्य के उपरांत निकलने वाले कचरे को तत्काल उठवाने की व्यवस्था और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करें साथ ही सड़कों पर कचरा फेंकने वाले दुकानदारों आदि को अपनी दुकान पर डस्टबिन रखने और डोर-टू-डोर कचरा एकत्र करने वाले वाहन को ही कचरा देने की समझाइश देने व उनके विरूद्ध स्पाट फाईन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि जो कालोनीवासी कालोनियों के बाहर कचरा फेकते हैं उन्हें भी समझाइश दें और कहीं भी जीवीपी न बनने दें। निगम आयुक्त नोबल ने घरों से गीला सूखा व अन्य प्रकार का कचरा पृथक-पृथक ही एकत्र करने और अलग-अलग ही परिवहन करने तथा निष्पादन स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्था बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विधानसभा चुनाव: एजेंसियों ने की 133 करोड़ से अधिक की कार्रवाई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 को लेकर प्रदेश में 9 अक्टूबर से आचार संहिता प्रभावशील है। इस बीच प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाईयां की जा रही है। 9 से 24 अक्टूबर तक एनफोर्समेंट एजेंसियों (एफएसटी, एसएसटी और पुलिस) द्वारा प्रदेश में 133 करोड़ 88 लाख 77 हजार 215 रुपये की कार्रवाई की गई है।

संयुक्त टीम द्वारा 14 करोड़ 77 लाख 26 हजार 30 रुपये नगद, 23 करोड़ 93 लाख 68 हजार 115 रुपये की अवैध शराब, 9 करोड़ 30 लाख 1 हजार 400 रुपये के मादक पदार्थ, 51 करोड़ 77 लाख 97 हजार 936 रुपये की अमूल्य धातु, सोना-चांदी/ ज्वेलरी तथा 34 करोड़ 36 लाख 83 हजार 734 रुपये की अन्य सामग्रियां जब्त की गई है।

सामान्य प्रेक्षकों के लाइजनिंग अधिकारी नियुक्त: कलेक्टर एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु जिले की 7 विधानसभा क्षेत्रों के सामान्य प्रेक्षकों के लिए लाइजनिंग अधिकारी नियुक्त किए हैं । 149- बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक के लिए लाइजनिंग अधिकारी सत्य प्रकाश सैनी, उप संचालक, मोबाइल 9926816531 और मनोज चौधरी सहायक ग्रेड-3, मत्स्य विभाग, मो. 7225874370 रहेंगे । 150- भोपाल उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रदीप तिवारी मो.न. 9425153753 जिला खनिज अधिकारी, कार्यालय खनिज शाखा भोपाल और ए. नागले मो. 9425134320 सहायक खनिज अधिकारी, कार्यालय खनिज शाखा भोपाल लाइजनिंग अधिकारी नियुक्त किया गया है । 151- नरेला विधान सभा क्षेत्र में अजय कुमार श्रीवास्तव मो. न. 9425013044 कन्ट्रोलर, विधानसभा और पूरन सिंह मो.न. 9425375238 एस.डी.ओ, अनु. विभा. अधि. सब डिवी. -5 अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे । इसी प्रकार 152- भोपाल दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक के लिए मनोज कुमार मिश्रा मो.न. 9424974078 कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग सचिन गजविये मो. 9424974078 उपयंत्री को लाइजनिंग अधिकारी पदस्थ किया गया है । 153- भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक के लिए सुधीर श्रीवास्तव मो.न. 9827606100 सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग, भोपाल और शाहिद खान, मो. न. 9039017990 अधीक्षक, आदिम जाति कल्याण विभाग, भोपाल लाइजनिंग अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे । 154- गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक के लिए बी एस कुशवाहा मो.न. 8770040911 सहायक संचालक, उद्यानिकी भोपाल और के.सी. जयसवाल मो.न. 9425028673 हार्टीकल्चर एक्सटेंशन अधिकारी, हार्टीकल्चर विभाग भोपाल लाइजनिंग अधिकारी रहेंगे । 155- हुजूर विधानसभा क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक के लिए सुनील सोलंकी मो. न. 9425047133 जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बालविकास विभाग भोपाल और अखिलेश चतुर्वेदी सहायक परियोजना अधिकारी को लाइजनिंग अधिकारी बनाया गया है ।

सम्पादकीय

बगावत और असंतोष... जिम्मेदार कौन?

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनावों में टिकट वितरण को लेकर जिस तरह से दोनों पार्टियों में असंतोष और बगावत की खबरें आ रही हैं, वो केवल पार्टियों के लिए ही चिंता का विषय नहीं हैं, लोकतंत्र के लिए भी बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती हैं। टिकट के लिए तो कभी मंत्री पद के लिए पार्टियों का कपड़ों की तरह बदलना यदि निचले स्तर पर आम हो रहा है, तो उच्च स्तर पर भी यानि नेतृत्व को लेकर भी आम धारणा कोई बहुत अच्छी बची नहीं है।

भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों में असंतुष्टों के विरोध प्रदर्शन की खबरें नेतृत्व के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। लेकिन यह किसी खास राज्य या चुनाव तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में मध्य प्रदेश कांग्रेस की ही एक बैठक के दौरान दो पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच हुई एक मजाकिया नोकझोंक का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें दोनों इस बात पर बहस कर रहे थे कि टिकट बंटवारे से नाराज कार्यकर्ताओं को किसके कपड़े फाड़ने चाहिए। इस वीडियो को कांग्रेस नेताओं के बीच आपसी सद्भाव और सामंजस्य के सबूत के रूप में पेश किया गया था, लेकिन वह इस बात का भी प्रमाण था कि भारतीय राजनीति में टिकट बंटवारे से पार्टी में उपजने वाले असंतोष को कितना सहज और सामान्य मान लिया गया है।

वैसे देखा जाए तो एक स्तर पर यह तमाम दलों में बढ़ते अति केंद्रीकरण का भी सबूत है। राष्ट्रीय ही नहीं, तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह प्रवृत्ति दिखती है, जिसे नेतृत्व की मजबूती के रूप में पेश किया जाता है। हालांकि कई विशेषज्ञ इसे राजनीतिक दलों में नेताओं और कार्यकर्ताओं की बदलती निष्ठा की समस्या से जोड़कर देखते हैं और नेतृत्व की ओर से किए जाने वाले रिस्क घटाने के प्रयासों का हिस्सा मानते हैं। पार्टी की ओर से आर्थिक और अन्य फायदों का केंद्रीकृत बंटवारा भी इसमें शामिल है।

आखिरकार इन सबका उद्देश्य पार्टी पर किसी खास नेता या गुट या परिवार का नियंत्रण बनाए रखना ही होता है। इसीलिए यह प्रवृत्ति न केवल पार्टी के दूरगामी हितों के खिलाफ है बल्कि लोकतंत्र की सेहत के लिए भी नुकसानदेह साबित होती है। इसके बचाव में दलीलें चाहे जो भी दी जाएं इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह पार्टी नेतृत्व और स्थानीय पार्टी काडर के बीच बढ़ती खाई का संकेत है। ध्यान रहे, किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में कार्यपालिका और आम नागरिकों के बीच पुल का काम यह स्थानीय पार्टी काडर ही करता है। जाहिर है, इसका पार्टी नेतृत्व से जुड़ाव कम होना या टूटना लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की जनता के प्रति जवाबदेही को कमजोर करता है।

यही वजह है कि अन्य देशों में लोकल पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी पिछले दो दशकों से प्राइमरीज के जरिए प्रत्याशियों का चयन करने पर जोर दे रही है, जिसमें वोटर भी शामिल होते हैं। 2019 के चुनाव में तो उसने प्रत्याशियों की सूची अंतिम मंजूरी के लिए लोकल यूनिटों के पास भेज दी थी। अन्य देशों में ऐसे और भी प्रयोग गौर करने लायक हैं। हालांकि इन तमाम प्रयोगों के अपने फायदे और नुकसान हैं। इसलिए इन्हें ज्यों का त्यों अपना लेने की वकालत नहीं की जा सकती, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि अति केंद्रीकरण की प्रवृत्ति से बचने का सचेत प्रयास अपने देश में भी होना चाहिए।

असल में हमारे यहां कोई भी बदलाव निचले स्तर से आने की बात सोची जाती है। लोग केवल कार्यकर्ताओं पर दोष मढ़ देते हैं, जबकि बुराई ऊपर से ही ज्यादा आती है। पार्टी की विचारधारा का मामला हो या उसके सिद्धांत केवल कार्यकर्ताओं से ही इन पर चलने की उम्मीद की जाती है। नेतृत्व केवल अपने हित के समीकरण ही देखता है। चाहे कोई पार्टी हो, विचारधारा का विध्वंस ऊपर से ही शुरू होता है। सिद्धांतों को ताक में रखकर समझौते किए जाते हैं। मध्यप्रदेश की ही बात करें तो कल किसी ने पार्टी बदली, आज टिकट मिल गया। आज टिकट पक्का हुआ तो एक घंटे में पार्टी से इस्तीफा दे दिया। लेकिन इसके पीछे केवल टिकट का लालच या अपना स्वार्थ ही नहीं होता।

महत्वाकांक्षा हर स्तर पर होती है, पर जब आप सिद्धांतों को ताक में रखने का सिलसिला ऊपर से होता देखते हैं तो निचले स्तर पर लोग कब तक उस पर चलते रहेंगे। इसलिए असंतोष और बगावत यदि हो रही है, तो उसके लिए कहीं न कहीं पार्टियों के नेतृत्व ही जिम्मेदार माने जाएंगे। वो कहें कुछ भी, लेकिन वो जब पार्टी लाइन से हटते हैं या अपने स्वार्थ, अपने परिवार, अपने समीकरण देखते हैं तो यह संदेश नीचे तक जाता अवश्य है। उनके विवाद भी सार्वजनिक हो ही जाते हैं। फिर यदि नीचे बगावत होती है, तो उन्हें तकलीफ होती है। इसलिए पहले नेताओं को अपने गिरेबान में झांकना होगा। फिर कार्यकर्ताओं पर दोष मढ़ें।

हमारे भीतर जो एक राक्षस है, पहले उसका दहन करें

-जयराम शुक्ल

स्कूल के दिनों में फिल्में देखने की लत थी। बुरी इसलिए नहीं कहेंगे कि फिल्में भी एक पाठशाला ही होती हैं। कई बातें जो स्कूल में नहीं सिखाई जातीं वे फिल्मों से मिल जाती हैं। आदमी जो दिखता है दरअसल वह वैसा होता नहीं। यह सीख मुझे फिल्मों के चरित्र से ही मिली। फिल्में समाज से ही चरित्र उठाती हैं। हम जिसका अनुमान लगाते हैं या महसूस करते हैं फिल्में उसे दिखा देती हैं। वे दमित आकांक्षाओं को परदे पर पूरा करने व कल्पनाओं में पंख साजने का काम करती हैं। बुराई पर अच्छाई की विजय जिस खूबसूरत तरीके से तीन घंटे में फिल्में दिखा देती हैं, उसी बात को प्रवचनकर्ता घुमावदार तरीके से सात दिनों में बता पाते हैं। हर फिल्म में कुछ न कुछ अपने काम का होता है। अपना उसी से मतलब रहा करता है। मनोहर श्याम जोशी ने ..पटकथा लेखन..नाम की अपनी किताब में लिखा है कि..हर फिल्म या तो रामायण से या फिर महाभारत से प्रभावित होती है। दुनिया में जो है वह महाभारत में है और जो इसमें नहीं है समझो कहीं नहीं है, यह उद्घोष महाभारत के रचनाकार महर्षि व्यास का है।

फिल्मों में हीरो से ज्यादा खलनायक को लेकर जिग्यासा होती है। हम लोग फिल्म देखने का पैमाना खलनायक की खूंखारियत से तय करते थे। फिल्म में कितना बड़ा हीरो ले लो खलनायक दमदार न हुआ तो सब बेकार। हीरो की महत्ता खलनायक से है। कल्पना करिए यदि रावण या कंस नहीं होता तो राम,कृष्ण को कौन जानता। रामायण, महाभारत जैसे अद्वितीय ग्रंथ नहीं पढने को मिलते। महिषासुर, मधुकैटभ नहीं होते तो दुर्गा मां की जो प्रतिष्ठा है, क्या होती। जैसे दिन रात बराबर है वैसे ही अच्छाई और बुराई भी।

सृष्टि रचते समय ब्रह्मा ने हर चीज का विलोम भी रचा। इसीलिए देवता हुए तो ब्रह्मा को दैत्य भी बनाने पड़े। वैसे देवता और दैत्य एक पिता की ही संतान हैं, माताएं अलग-अलग। दिति के बेटे दैत्य हुए तो अदिति के देवता। इस नाते ये दोनों भाई-भाई हुए। इस दृष्टि से देखें तो रूपरंग कद काठी एक जैसे होनी चाहिए क्योंकि दोनों में कश्यपजी का ही गुणसूत्र है। हमारी कल्पना में राक्षस की जो आकृति उभरती है दरअसल वह वास्तविक नहीं होती। वह कलाकारों की कल्पित छवि है,जो कथाओं में वर्णित राक्षसों की प्रवृत्ति दर्शाती है।

जैसे रावण को ही ले लीजिए। हर चित्र में उसे दस सिरों वाला बताते हैं। ये चित्र प्रतीकात्मक है। वह दसों द्वारपालों को बंधक बनाए रखता है। सभी ग्रह नक्षत्र उसके बंदी होते हैं। एक साथ वह दस तरह की बातें सोचता है। जैसे हम किसी को दोगला कहकर उसकी निकृष्टता बताते हैं वैसे ही वह दसगला है। कब क्या हो जाए, किसका रूप धर ले यह उसमें पारंगत था। पल में साधु, पल में राक्षस, पल में राजा, पल में विद्वान पंडित। रावण सीधे ब्रह्मा जी का पोता था। सप्तर्षियों में से एक पुलस्त्य का नाती। वह जन्मना राक्षस नहीं था। उसकी वृत्ति व प्रवृति ने उसे राक्षस बना दिया।

जन्मना न कोई देवता होता है न राक्षस। सब एक से होते हैं। उनके गुण व चरित्र उन्हें देवता या राक्षस बनाते हैं। जन्म से ही कोई देवता बनता तो वो जयन्त भी देवता होता, जिसने सीता जी के वक्ष में चोंच मारा था। वह देवराज इंद्र का बेटा था। पुराण कथाओं में कई ऐसे उदाहरण हैं कि राक्षस के घर पैदा हुआ पर देवता निकल गया। प्रहलाद, विरोचन, बलि ये तीनों हिरण्यकशिपु के वंशज हैं पर आचरण और गुण से देवताओं से भी बढकर। बलिदान कितना महान शब्द है। यह राजा बलि से आया, जो उन्होंने ने वामनरूप भगवान् को अपना दान दे दिया। तन, मन, धन अर्पित करना ही बलिदान है। तो राक्षस कोई अलग प्रजाति नहीं। यह गुणानुवर्ती है।

हर व्यक्ति राक्षस और देवता दोनों है। जो वृत्ति उभरती है वह वही बन जाता है। विवेकानंद जी कहते हैं हर मनुष्य में सभी गुण उसी तरह विद्यमान रहते हैं जैसे कि दिखने वाले रंग में शेष सभी रंग। यदि हमें लाल दिखता है तो शेष सभी छः रंग उसमें छिपे होते हैं। अनुकूलतावश एक रंग प्रदीप्त होता है। वैसे ही मनुष्य में सभी गुण बराबर अनपात में होते हैं। जो प्रदीप्त होता है उसी के आधार पर हम उसे देवता, राक्षस,चोर,डाकू,निर्दयी, दयावान,वैग्यानिक, आतंकवादी आदि आदि की संग्या देते हैं। यानी राक्षस कहीं बाहर नहीं हमारे भीतर है। सभी प्रवृत्तियां बाहर आने के मौके तलाशती रहती हैं। आपने दरवाजा खोला, वे बाहर आईं। इसीलिये शरीर के रंगमहल में दस दरवाजे बताए गए हैं इनपर मालिकाना हक बनाए रखने के लिए ही जप,तप नियम,संयम बताए गए हैं। इन त्योहारों और देवी, देवताओं के पीछे गूढ़ार्थ हैं। इन्हें समझेंगे तभी सुफल मिलेगा। खाली उपवास रखने और भजनकीर्तन से कुछ हांसिल नहीं होने वाला।

माता भगवती हमारे चित्त और वृत्ति की अधिष्ठात्री हैं। इसलिए.. या देवी सर्वभूतेषु विभिन्न वृत्ति रूपेण संस्थिता ..हैं। इनकी आराधना हमारे भीतर छुपे हुए राक्षस का नाश करती हैं। पर नाश तभी कर पाएंगी जब एक एक कर्मकाण्ड के मर्म को समझेंगे। विविध कलारूप हमें मनुष्य की वृत्तियों और उसके भीतर छिपे हुए चरित्रों को समझने में मदद करती हैं, बशर्ते उस नजरिए से देखें। हर कथाक्रम में ग्यान है। हर कला व साहित्य में अपने लिए कुछ न कुछ है। हर पर्व में अपने जीवन का दर्शन दुरुस्त करने की सीख है। दैव और दैत्यवृत्ति सर्वव्यापी है। हमारे चित्त और वृत्ति की अधिष्ठात्री माता भगवती का महात्म्य यही है कि वे दैत्यवृत्ति की नाशिनी हैं। राम भी आदिशक्ति का आराधन करके उनसे ही शक्ति अर्जित करके राक्षस रावण का नाश करते हैं। दशहरा भक्ति, शक्ति और युक्ति का महापर्व है।

भारत में रेडियो के दिन बदलेंगे ?

राकेश दुबे

लगता है देश में रेडियो के दिन कुछ बदलेंगे। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने 5 सितंबर को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को दीं अपनी सिफारिशों में एफएम चैनलों पर समाचारों की इजाजत देना, लाइसेंस व्यवस्था को तर्कसंगत बनाना और मोबाइल फोन में एफएम रिसीवर अनिवार्य करना शामिल किया है।सब जानते हैं ये दिन रेडियो के लिए अच्छे नहीं गुजर रहे।पिछले साल रेडियो ऑपरेटरों ने बमुश्किल 2,100 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया इसके विपरीत समूचे मीडिया और एंटरटेनमेंट उद्योग के वर्ष 2022 में कमाए 2.1 लाख करोड़ रुपये कमाए।

पता नहीं क्यूँ मीडिया प्लानर रेडियो को महत्त्वपूर्ण माध्यम के रुप में नहीं देखते हैं। वर्ष 2018 में अपने चरम काल में रेडियो ने 3,360 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया, लेकिन 2020 में कोविड महामारी ने इसे आधे से भी कम करके 1,430 करोड़ रुपये कर दिया। उसी साल भारत के सबसे बड़े ब्रांड ने अपने नाम से रेडियो शब्द हटा दिया।ईएनआईएल का रेडियो मिर्ची नाम मिर्ची अनलिमिटेड हो गया। यह सही है कि ज्यादातर ऑपरेटरों ने अपना नाम नहीं बदला है लेकिन उनमें से कई अपने राजस्व का 30 से 40 प्रतिशत डिजिटल सामग्री, इवेंट या रेडियो के सिवा अन्य तरीके से कमाते हैं। और शायद इसी एकमात्र तरीके ने उनको बचा रखा है।

अभी आई नयी सिफारिशों में एफएम चैनलों पर समाचारों की इजाजत देना, लाइसेंस व्यवस्था को तर्कसंगत बनाना और मोबाइल फोन में एफएम रिसीवर अनिवार्य करना शामिल है।अगर इन पर अमल हुआ तो इनसे रेडियो को अपने श्रोताओं की संख्या दोगुनी करने, लागत घटाने और विज्ञापनों की बेहतर दर हासिल करने में मदद मिल सकती है।इन सुझावों से इतनी ज्यादा उम्मीद की क्या वजह है। वर्ष 2000 में जब रेडियो को मुक्त किया गया था तो उस समय लगभग अन्य सभी तरह का मीडिया-टीवी, प्रिंटऔर फिल्म उससे कहीं आगे पहुंच चुके थे।

दूसरों के विपरीत रेडियो की मुक्ति तो हुई मगर भारी लाइसेंस फीस के साथ। उदाहरण के लिए 2015 में तीसरे दौर के लाइसेंस के दौरान एफएम रेडियो परिचालकों को 3,100 करोड़ रुपये से अधिक लाइसेंस और माइग्रेशन फीस के रूप में भरने पड़े। यह रकम 2014 में रेडियो के कमाए राजस्व 1,720 करोड़ रुपये की करीब दोगुनी है। इससे भी बुरा यह था कि दिशानिर्देशों में लाइसेंस फीस सकल राजस्व (इसमें जीएसटी भी शामिल) की चार फीसदी या फिर किसी एक शहर के लिए ढाई प्रतिशत का एकबारगी प्रवेश शुल्क या इनमें से जो भी ज्यादा हो, तय की गई।

ट्राई के विश्लेषण को देखें तो 182 रेडियो केंद्रों ने 4 प्रतिशत से अधिक का लाइसेंस शुल्क चुकाया जबकि 34 केंद्रों ने जो लाइसेंस फीस चुकाई, वह वर्ष 2021-22 के राजस्व का 30 प्रतिशत थी। अगर लाइसेंस शुल्क ने लागत बढ़ाई तो लाइसेंस की शर्तों ने राजस्व जुटाने की उनकी क्षमता को प्रभावित किया।

एक ही शहर में कई रेडियो स्टेशनों का मालिक होने से लेकर टावर की सह-साझेदारी की इजाजत नहीं दी गई और ना ही समाचार प्रस्तुत करने की अनुमति मिली। इस तरह से लगभग सभी शर्तों ने प्रोग्रामिंग के नवाचार को न केवल सीमित कर दिया बल्कि पहुंच और राजस्व को भी प्रभावित किया।

अब ट्राई ने सिफारिश की है कि लाइसेंस फीस को एकबारगी वापस न किए जाने वाले प्रवेश शुल्क से अलग किया जाए और इसकी गणना सकल राजस्व के चार प्रतिशत पर होनी चाहिए जिसमें जीएसटी शामिल नहीं हो। अगर ऐसा होता है तो इससे रेडियो परिचालकों की लागत 10 से 40 प्रतिशत के बीच कम करने में मदद मिलेगी जो किसी परिचालक के पास मौजूद शहरों और रेडियो केंद्रों पर निर्भर करेगी।

करीब दो दशक के निजीकरण और करोड़ों रुपए के पूंजी खर्च के बाद रेडियो राजस्व और पहुंच दोनों के लिहाज से अभी भी कमजोर माध्यम है। इसमें आश्चर्य नहीं जो अगले दौर की नीलामी में उन 200 से अधिक फ्रीक्वेंसी के लिए कोई बोलीदाता नहीं मिला जो तीसरे दौर के बाद बच गई थीं। भारत में रेडियो की पहुंच लगभग एक ही जगह टिके होने की एक वजह यह भी है कि कई निर्माता अपनी संगीत प्रसारण सेवा या ऐप को बढ़ावा देने के लिए हैंडसेट में रेडियो रिसीवर को डिसएबल कर देते हैं।

यही कारण है कि ट्राई ने सिफारिश में कहा है कि एफएम रेडियो से जुड़े फीचर और फंक्शन सभी तरह के मोबाइल हैंडसेट में इनेबल और एक्टिवेट रहने चाहिए और स्थाई समिति इसकी निगरानी करे कि फोन निर्माताओं और आयातकों ने ऐसा किया या नहीं। इस नियमाकीय उपाय के और भी कई व्यावहारिक कारण हैं।

अगर निर्माता इस पर अमल करते हैं तो एफएम रेडियो एक अरब से अधिक मोबाइल धारकों तक पहुंच सकता है। इसका मतलब यह हुआ कि श्रोताओं की संख्या बढ़कर आराम से 52 करोड़ से अधिक हो जाना ज्यादा श्रोता होने का मतलब है अधिक राजस्व और बेहतर प्रोग्रामिंग और बड़े स्तर की आर्थिकी। रेडियो परिचालकों को इससे अधिक चाहिए भी नहीं। अब देखना है कि मंत्रालय उनको कितना उपकृत करता है और इन सिफारिशों को नीति में बदलता है या नहीं।

कानून और न्याय: देश में तंबाकू पर रोकथाम के कानून प्रभावी नहीं!

विनय झैलावत

भारत सबसे बड़े तंबाकू उत्पादक देशों में से एक है। साथ ही विश्व में तंबाकू के सेवन से होने वाली मौतों के 1/6वें हिस्से का जिम्मेदार भी है। ऐसे में हमें एक बेहतर नीति के निर्माण की जरूरत है। भारत सरकार ने इसके सेवन और उसके रोकथाम के लिए सिगरेट एवं तंबाकू प्रोडक्शन एक्ट (कोटपा), सन् 2003 पारित किया है। तंबाकू नियंत्रण कानून (कोटपा) 2003 के तहत सार्वजनिक स्थलों पर धूमप्रान करने, खुलेआम तंबाकू से संबंधित सामग्री बेचने पर कार्रवाई की जाती है। इसके तहत दो सौ रूपए से दस हजार रूपए तक जुर्माना और पांच साल की कैद तक का प्रावधान है। किन्तु खेद की बात यह कि पुलिस दूसरे अपराधों पर ज्यादा ध्यान देती है तथा धूम्रपान नियमों की अनदेखी करती है।

अक्सर पुलिस थानों एवं कार्यालयों से करीब दो सौ मीटर के दायरे में न्यायालय, जेल, बिजली आफिस, महिला कालेज समेत कई सरकारी कार्यालय, शिक्षण संस्थान और अस्पताल होते हैं। इन इलाकों में कहीं भी भीड़-भाड़ वाली जगह पर खड़े होने की देर है कि सिगरेट का धुआं आपको मिलने लगेगा। सड़क किनारे खुले शराब पीते लोगों को भी देखा जा सकता है। पुलिस मुख्यालयों के सामने भी सिगरेट का धुआं उड़ता है। जबकि, बस स्टैंड, बाजार जैसे सार्वजनिक स्थलों के पास खुलेआम शराब पीने-पिलाने का दौर चलता है। सार्वजनिक स्थलों पर नशीले पदार्थों का सेवन करते हुए पकड़े जाने पर दंड का प्रावधान होने के बाद भी ऐसी स्थिति दुखद एवं चिंताजनक है। यही नहीं, इस विधेयक में तंबाकू उत्पादों के सेवन को सार्वजनिक स्थानों में नहीं रोका गया है। यह कानून में तीस लोगों से ज्यादा क्षमता वाले होटल पर भी लागू नहीं होगा।

भारत सरकार ने मई 2003 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कानून पारित किया था। इस कानून को सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम का नाम दिया गया। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूएचओ-फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल यानी तंबाकू नियंत्रण के संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन के फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के एक अभिन्न अंग के रूप में है। भारत सरकार ने तंबाकू नियंत्रण कानून के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2007 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) का शुभारंभ किया था। इसका उद्देश्य तंबाकू नियंत्रण कानून और तंबाकू के उपयोग द्वारा होने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता प्रसारित करना भी है।

उल्लेखनीय है भारत में तंबाकू प्रयोग की आर्थिक लागत अनुमानत: एक लाख चार हजार पांच सौ करोड़ रूपए प्रतिवर्ष है। कई देशों द्वारा तंबाकू नियंत्रण को गरीबी समाप्त करने वाली नीतियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भारत को इस दिषा में आगे कदम बढ़ाना चाहिये। भारत ने तंबाकू नियंत्रण पर डब्ल्यूएचओ फ्रेमवर्क कन्वेंषन की पुष्टि करने के बाद से तंबाकू नियंत्रण के संबंध में पर्याप्त प्रगति की अपेक्षा की है। अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है। अत: तंबाकू नियंत्रण नीतियों की पहुंच विशेष रूप से शहरी मध्यवर्गीय तक बनानी होगी। गांवों में रहने वाले अधिकांश गरीबों के पास टेलीविजन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। अत: धूम्रपान के खिलाफ चेतावनी देने वाले अभियानों से जरूरी लाभ नहीं मिल पाता है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के संबंध में मई 2016 में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि तंबाकू के पैकेट पर 85त्न सचित्र चेतावनी मानदंड का पालन करना होगा। दरअसल, पैकेट के दोनों किनारों पर बड़ी सचित्र चेतावनी धूम्रपान करने वालों से स्वास्थ्य जोखिमों के बारे संवाद करने का सबसे प्रभावी और शक्तिषाली तरीका है। उल्लेखनीय है कि कनाडा के कैंसर सोसायटी की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत तंबाकू उत्पादों पर सर्वाधिक बड़े सचित्र चेतावनी जारी करने वाले देशों में से एक है। साथ ही अध्ययनों से पता चलता है कि ग्राफिक चेतावनियों के कारण कनाडा में 58त्न, ब्राजील और थाईलैंड में लगभग 54त्न धूम्रपान करने वाले लोग, धूम्रपान के स्वास्थ्य परिणामों के बारे में अपनी राय बदल चुके हैं।

किशोरों में धूम्रपान की लत एक गंभीर समस्या है। तंबाकू की खपत का स्तर अनपढ़ बच्चों और निम्न आय समूहों के बच्चों में अधिक है। युवाओं को तंबाकू से दूर रखने के लिए एक वृहद दृष्टिकोण आवश्यक है। स्कूलों के पास के क्षेत्र में तंबाकू के विज्ञापनों के होर्डिंग, बैनर आदि को प्रतिबंधित कर देना चाहिये। साथ ही स्कूलों के सौ मीटर के आस-पास के क्षेत्र में तंबाकू की बिक्री पर प्रतिबंध को लागू करने और फिर उसके समुचित पालन पर ध्यान देने की जरूरत है। यदि सिगरेट के मूल्य बढ़ेंगे तो भी युवा इसके प्रयोग को हतोत्साहित होंगे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे के अनुसार भारत के तंबाकू उपभोग का विशिष्ट पैटर्न देखने को मिलता है। तंबाकू उत्पादों के उपभोग का पैटर्न भारत में जटिल है, क्योंकि इसका सिगरेट, बीड़ी, चबाने वाली तंबाकू और खैनी जैसे कई रूपों में सेवन किया जाता है। भारत में सिगरेट की बाजार हिस्सेदारी केवल 14त्न है, जबकि बीड़ी की 48त्न है। दरअसल, भारत में सिगरेट से ज्यादा बीड़ी का सेवन इसलिए किया जाता है क्योंकि सिगरेट बीड़ी के मुकाबले काफी महंगी है। बीड़ी पर कर लगाने की सबसे बड़ी बाधा यह है कि गरीब बीड़ी कामगारों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, यह विडंबना ही कही जाएगी कि धूम्रपान जनित स्वास्थ्य चिंताओं से सबसे अधिक प्रभावित गरीब जनता ही होती है। चूंकि भारत की कराधान व्यवस्था आय वृद्धि और मुद्रास्फीति से जुड़ी हुई नहीं है। इसलिए, तंबाकू उत्पाद अधिकांश जनता की आय की तुलना में कम मूल्य पर उपलब्ध है।

जीएसटी के तहत, सभी तंबाकू उत्पादों को 28त्न के कर स्लैब में रखा गया है। फलस्वरूप सिगरेट के मूल्य में अच्छी खासी वृद्धि हुई है। जबकि बीड़ी के छोटे बंडल की की कीमतों में गिरावट देखी गई है। भारत में यह महसूस किया जा रहा है कि सचित्र चेतावनियों को और व्यापक बनाए जाने की जरूरत है। कई अध्ययनों द्वारा यह प्रमाणित हो चुका है कि तंबाकू उत्पादों पर सचित्र चेतावनियां तंबाकू उपभोग को सीमित करने में काफी अहम साबित हुई है। 2016 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेष के बाद तंबाकू उत्पादों के पैकेटों पर चेतावनियों को व्यापक बनाया गया, हालांकि इसे अभी भी और व्यापक बनाया जा सकता है। सिगरेट के पैकेटों पर दी जाने वाली पिच्यासी प्रतिषत सचित्र चेतावनियों को बढ़ाकर 90 प्रतिशत तक करने की जरूरत है जैसा कि नेपाल ने किया है। साथ ही बीड़ी के बंडलों पर भी सामान्य पैकेजिंग पर ही सही सचित्र चेतावनियां जारी की जानी चाहिये।

तंबाकू उत्पाद निर्माता कंपनियों की प्रभावशाली उपस्थिति के कारण न तो सिंगल स्टिक सेल अनिवार्य हो पाया है और न ही सिगरेट जैसे अन्य तंबाकू उत्पादों के लिये लाइसेंस जारी करने की व्यवस्था अमल में आ पाई है। सिंगल स्टिक सेल एक ऐसा उपाय है जो धूम्रपान कम करने में अहम भूमिका निभा सकता है और इस संबंध में सरकार को प्रयास करना चाहिये। इसके लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाएं जाने की जरूरत है। तंबाकू नियंत्रण के लिए लोगों को शिक्षित एवं जागरूक बनाना होगा और इसके लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को अपनाया जाना चाहिये। तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री को रोकने में सरकार को अहम भूमिका निभानी होगी। लेकिन, साथ ही साथ आम जनता की सहभागिता भी अनिवार्य है। गौरतलब है कि राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद 48 में कहा गया है कि राज्य को सार्वजनिक स्वास्थ्य में लगातार बेहतरी के प्रयास करते रहने चाहिये। अत: भारत जैसे एक आधुनिक लोकतांत्रिक राज्य को अपने सामाजिक दायित्वों के पालन के लिए वर्तमान तंबाकू नीति में विद्यमान खामियों पर गौर करते हुए आगे बढ़ना होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

भाजपाऔर काग्रेस कार्यालय का शुभारंभ

नैनपुर भाजपा प्रत्याशी श्रीमती संपतिया उईके का कार्यालय का शुभारंभ हाथरस यूपी की विधायक ने किया कार्यकर्ताओं से वार्तालाप किया एंव चुनावी रणनीति पर चर्चा की

नैनपुर। मंडला विधानसभा क्षेत्र के काग्रेस प्रत्याशी डाक्टर अशोक मर्सकोले ने नैनपुर मे कार्यकर्ताओं से संपर्क कर चुनाव प्रचार की शुरुआत की काग्रेस काग्रेस कार्यकर्ताओं ने सतकार किया

धूमधाम से मना दशहरा 65 फीट के रावण के पुतले का हुआ दहन

बैरसिया। नगर के दशहरा मैदान में रामलीला कमेटी के तत्वाधान में बड़े ही हर्षोल्लाह से दशहरे का पर्व मनाया गया नगर के दशहरा मैदान मे भगवान प्रभु श्री राम और रावण के बीच युद्ध की लीला का मंचन और रंगारंग आतिशबाजी ने जन समूह का मन मोह लिया वही आखिर में मेघनाथ कुंभकरण और रावण के पुतले का दहन किया गया दशहरा मैदान में करीब 8 से 10000 लोग मौजूद थे लोग जय श्री राम जय श्री राम के नारे के बीच बड़े उत्साहित नजर आए पुतला दहन के बाद भगवान प्रभु श्री राम लक्ष्मण की आरती मंच पर की गई रामलीला कमेटी के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया वही कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ जन एवं समाजसेवी मंच पर आसीन थे इस मौके पर पुलिस प्रशासन भी भारी संख्या में किसी भी आप्रिया घटना को रोकने के लिए मौजूद रहा

भाजपा ने किया रतुआ और हर्राखेड़ा में चुनावी कार्यालय का किया शुभारंभ

बैरसिया। भारतीय जतना पार्टी प्रत्याशी विष्णु खत्री कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव प्रचार में जुट गए है। मंगलवार को भाजपा ने हर्राखेड़ा मंडल में हर्राखेड़ा और रतुआ में चुनाव प्रचार कार्यालय का शुभारंभ किया। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी विष्णु खत्री ने कहा कि आप जुट जाएं। हमने और हमारी सरकार ने जो विकास किया है। उसके बारे में मतदाताओं को बताएं। उन्होंने कहा कि हम आगामी समय में बैरसिया-भोपाल मार्ग को फ़ॉर लेन करने के लिए संकल्पित है। इसके साथ ही क्षेत्र में हमे और विकास करना है। हम क्षेत्र के विकास के लिए संकल्पित है।

कार्यालय शुभारंभ के बाद भाजपा प्रत्याशी विष्णु खत्री ने मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव की रणनीति के लिए बैठक आयोजित की। बैठक में चुनाव प्रचार कैसे करना है। इसके अलावा मतदाताओं के बीच कैसे पहुँचना है। इस पर चर्चा की। उक्त कार्यालयों से इस मंडल से के अंतर्गत आने वाले गांवों में प्रचार की रणनीति तय कर एक-एक कार्यकर्ता जुटेगा। इस मौके पर काग्रेस के हाकम सिंह पटेल और ब्रजेश भार्गव भाजपा में शामिल हुए।

निर्वाचन अभ्यर्थियों के लिए दस हजार रुपए एसटी, एससी के लिए 5 हजार होगी निक्षेप राशि

नर्मदापुरम्// भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई अधिसूचना के पश्चात चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अभ्यर्थियों से नामांकन 30 अक्टूबर 2023 दोपहर 03 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 31 अक्टूबर 2023 को की जाएगी तथा नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 02 नवम्बर 2023 को दोपहर 03 बजे तक निर्धारित की गई है।निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए 10 हजार रूपए होगी निक्षेप राशि एसटी, एससी के लिए 5 हजार होगी निक्षेप राशि

विधानसभा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के निर्वाचन के व्यय के लिए अलग से बैंक खाता होगा। निर्वाचन की अधिकतम व्यय सीमा 40 लाख रूपए है। चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए निक्षेप राशि 10 हजार रूपए तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए निक्षेप राशि 5 हजार रूपए है।

राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त दलों के लिए एक प्रस्तावक तथा शेष के लिए 10 प्रस्तावक आवश्यक होंगे। संवीक्षा दिनांक तक अभ्यर्थी की उम्र 25 वर्ष होना आवश्यक है। अभ्यर्थी मध्यप्रदेश विधानसभा के किसी भी विधानसभा क्षेत्र का मतदाता हो सकता है, किन्तु प्रस्ताव संबंधित विधानसभा का होना आवश्यक है। यदि अभ्यर्थी अन्य विधानसभा क्षेत्र का मतदाता है, उन्हें संबंधित विधानसभा की मतदाता सूची के विवरण की सत्य प्रतिलिपि प्रस्तुत की जानी आवश्यक है। नाम निर्देशन के समय अभ्यर्थी के साथ अधिकतम 4 (1+4) व्यक्ति उपस्थित रह सकते है। एक अभ्यर्थी अधिकतम 4 नाम निर्देशन पत्र दाखिल कर सकता है। अभ्यर्थी अधिकतम दो सीटो से नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

ऑनलाइन भी जमा कर सकते है अभ्यर्थी नामांकन

आयोग द्वारा जारी निर्देशानुसार कोई भी अभ्यर्थी ऑफलाइन रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर या सुविधा एप के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन भी दाखिल कर सकता है और निक्षेप (जमानत) राशि का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से कर सकता है। नामांकन फॉर्म के साथ अभ्यर्थी को फॉर्म-2 बी नामांकन फार्म, फॉर्म 26, शपथ पत्र व बैंक खाते की जानकारी सहित अन्य सभी जरूरी दस्तावेज अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे और किसी भी अभ्यर्थी को उसके आपराधिक रिकॉर्ड के प्रकाशन के लिये प्रारूप सी-1 एवं सी-4 देना होगा।

सीएमओ के पक्ष पूर्ण रवैया से हिंदू उत्सव समिति के पद अधिकारी नाराज

औबेदुल्लागंज ।.दशहरा पर्व पर सफाई न होने से हिंदू उत्सव समिति के पद अधिकारी और औबेदुल्लागंज के समस्त हिंदू संगठन नगर परिषद द्वारा सफाई ना करे जाने से अच्छे खासे नाराज हो गए एवं सब लोग चौराहा पर इकट्ठे होकर हिंदू उत्सव समिति के लेटर पैड पर एक ज्ञापन चुनाव अधिकारी रायसेन कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन देकर कर नगरी परिषद औबेदुल्लागंज सीएमओ के भेदभावपूर्ण कार्य कार्य करने से नाराज हिंदू समिति के कार्यकर्ताओं ने शीघ्र हटाने की मांग की और उनके खिलाफ नारेबाजी की सीएमओ की तानाशाही नहीं चलेगी वही नगर परिषद उपाध्यक्ष पति ने जब सीएमओ मैडम को फोन लगाकर बताया की मैडम सफाई नहीं हो पाई है आप आकर कृपया देखें लेकिन उनका जवाब स्पष्ट था हमने हमारे हिसाब से सफाई करा दी है अब आपको जैसा लगे करें नगर परिषद की सीएमओ को इस तरह की बातों से हिंदू संगठन नाराज होकर दशहरा पर्व नहीं मानना और बाजार बंद को लेकर अड़े रहे। काफी देर तक हंगामा होता रहा अधिकारियों ने पहुंचकर स्थिति को संभाला तब जाकर सफाई का कार्य शुरू हो पाया इस तरह के भेद भाव पूर्ण रवैया से पूरा नगर नाराज है। इस मौके पर हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश खटीक, बाला सैनी, सोनू अग्रवाल, संतोष गुप्ता, नरेश सेठी, अंकित अग्रवाल, वागीश अग्रवाल, महेश चौरसिया, जगदीश चांदानी, संजय चौरसिया, कैलाश नागर, राजेश जोशी, दिलीप चावला, राम अग्रवाल, राहुल सोलंकी, इत्यादि मौजूद रहे।

बुंदेला ने जारी किया वीडियो, 26 को भरेंगे नामांकन पत्र

वीडियो में कहा निर्दलीय प्रत?याशी के तौर पर चुनाव मैदान में उतरेंगे

धार। विधानसभा चुनावों का बिगल बज चुका है। नामांकन पत्र का दौर जारी है। नाम वापसी के बाद चुनावी परिदृश?य साफ होना है। लेकिन इसके पहले निर्दलीय प्रत?याशियों ने समीकरण बिगाड़ने का ऐलान कर दिया है। धार से दोनों ही पार्टी के बागी चुनाव लड़ने का मन बनाकर मैदान में उतरने की बात कह रहे है। इनमें कांग्रेस के बागी कुलदीप बुंदेला ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर बुंदेला ने मंगलवार को वीडियो जारी किया है। इसमें उन?होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए 26 अक?टूबर को नामांकन जमा करने की बात कही है। बताया जा रहा है कि नामांकन फार्म जमा करने में बुंदेला शक्ति प्रदर्शन करेंगे। इसके लिए कार्यकर्ताओं को भी शामिल करने की योजना पर काम किया जा रहा है। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के कुलदीप बुंदेला टिकट की रेस में शामिल थे। लेकिन पूर्व विधायक बालमुकुंद गौतम से पिछड़ गए। इस कारण पार्टी ने गौतम को टिकट देकर प्रभा गौतम को प्रत?याशी बनाया। कुलदीप बुंदेला इस बार निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे है। इसके लिए उन?होंने 26 अक?टूबर को नामांकन पत्र दाखिल करने का ऐलान किया है। सोशल मीडिया प?लेटफार्म पर मंगलवार को एक वीडियो जारी कर उन?होंने इस बात की घोषणा की है। उन?होंने वीडियो में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मेरे परिवार के साथ अन?याय कर रही है। उन?होंने लोगों से आह्वान किया है कि नामांकन पत्र रैली में शामिल होकर आशीर्वाद प्रदान करें।

दोनों पार्टी से हो सकते है निर्दलीय : इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा से नीना विक्रम वर्मा और कांग्रेस से प्रभा बालमुकुंद गौतम अधिकृत प्रत?याशी है। टिकट वितरण के बाद से दोनों ही पार्टी में बगावत देखने को मिल रही है। कांग्रेस से जहां कुलदीप बुंदेला बगावत करने के मूड में है। जबकि भाजपा की तरफ से पूर्व जिलाध?यक्ष राजीव यादव ने भी पार्टी को 28 अक?टूबर तक टिकट बदलने का अल?टीमेटम दे रखा है। टिकट में बदलाव नहीं होने पर यादव निर्दलीय चुनाव मैदान में भी उतरने की बात कह चुके है।

रोड शो और जनसभा में हजारों कार्यकर्ता होंगे शामिल

कल भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र पटेल नामांकन करेंगे जमा, केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल सहित कई मंत्री होंगे शामिल

बरेली। भारतीय जनता पार्टी उदयपुरा विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र शिवाजी पटेल 26 अक्टूबर गुरुवार को हजारों समर्थकों बीच पार्टी के बरिष्ट नेताओं और हजारों कार्यकर्ताओं के साथ बरेली में नामांकन पत्र दाखिल करेंगे 7 इस दौरान रोड शो और रामलीला मैदान में जनसभा का आयोजन होगा जिसमें केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट राज्य मंत्री एवं जिला प्रभारी प्रताप सिंह, कैबिनेट मंत्री प्रभुराम चौधरी,कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामपाल सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, जिला प्रभारी सुधीर अग्रवाल, सिलवानी विधानसभा चुनाव प्रभारी हरनाम सिंह राजपूत शामिल होंगे 7 जिला सह-मीडिया प्रभारी रोहित चौधरी ने बताया कि 26 अक्टूबर को भाजपा प्रत्याशी नामांकन जमा करेंगे जिसमें केंद्रीय मंत्री सहित उत्तरप्रदेश मध्यप्रदेश के बरिष्ट नेता शामिल होंगे केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल का हेलीकॉप्टर से 1 बजकर 45 मिनट पर आगमन होगा नामांकन फॉर्म,रोड शो और जनसभा में शामिल होकर 3 बजे उदयपुरा विधानसभा से केसली विधानसभा सागर के लिए प्रस्थान करेंगे गुरूवार को सभी कार्यकर्ता कामतौन के पास चौधरी मैरिज गार्डन में एकत्रित होंगे यहां से पदयात्रा रोड़ शो करते हुए रामलीला मैदान पहुंचेंगे जहां जनसभा होगी बरिष्ट नेताओं के उद्बोधन के बाद नामांकन का दूसरा सेंट दाखिल किया जाएगा 7

विधायक बोले भ्रष्टाचार के खिलाफ है जनता का चुनाव

लूट-खसोट, जमीनों पर कब्जा करने वालों से बचें: चतुर्वेदी

छतरपुर। यह चुनाव उन लोगों के साथ है जिन लोगों ने 10 सालों तक छतरपुर में राज करते हुए भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और जमीनों पर कब्जा करने वाले माफियाओं को बढ़ावा दिया। यह चुनाव हम नहीं बल्कि जनता लड़ रही है। जनता ही इस चुनाव में ऐसे घोटालेबाजों और कमीशनखोरों को घर बैठाने का काम करेगी। यह बात विधायक आलोक चतुर्वेदी पज्जन भैया ने दशहरे के दिन आयोजित अपने जनसंपर्क के दौरान कही। उन्होंने विजयादशमी को छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के एक दर्जन गांव में चौपाल लगाकर जनता को संबोधित किया।

विधायक आलोक चतुर्वेदी ने सुबह 9 बजे रिक्शापुरवा से जनसंपर्क अभियान की शुरूआत की। इसके बाद चौकीपुरवा, मारगुवां, राजापुरवा, आमखेरा, बनगांय, टीकर, कटरा और धामची में जनता के बीच जाकर अपनी बात रखी। विधायक आलोक चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल में हम सभी ने देखा है कि आम जनता किस तरह तहसील, थाने में छोटे-छोटे कामों के लिए भ्रष्टाचार से जूझती रही। किसानों को समय पर खाद-बीज नहीं मिला जिससे उनकी फसलें खराब हुईं और

लाइन में लगे किसानों की मौत तक हो गई। अब हम इस चुनाव के माध्यम से ऐसे लोगों को जवाब देने का मौका मिला है जो मीठी-मीठी बातें कर जनता को ठगने आ जाते हैं। आज जो लोग आपसे भाजपा के नाम पर वोट मांग रहे हैं वे लोग कोरोना के जानलेवा संकटकाल में घरों में घुसे हुए थे। जब जनता को इलाज और ऑक्सीजन की जरूरत थी तब खेलग्राम के दरवाजे ही जनता के खुले रहे। हमने बगैर किसी भेदभाव के जनता को पांच वर्षों तक हरसभव मदद और सहारा दिया है। भाजपा के नेता तो जनता के काम बिगाड़ते हैं जैसे उन्होंने गरीब के लिए सहारा बनी चाचा की रसोई को ही बंद करा दिया। विधायक ने कहा कि आप चिंता न करें, चुनाव होते ही यह रसोई फिर शुरू होगी। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है और यह सरकार जनता के हर वर्ग का कल्याण करेगी।

हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में दशहरा पर्व संपन्न

औबेदुल्लागंज । .हिंदू उत्सव समिति के द्वारा दशहरा मैदान में एक मनमोहक डांस ग्रुप द्वारा प्रस्तुति पेश की गई इस उपरांत हिंदू उत्सव समिति के द्वारा नगर के गुरुजनों वरिष्ठजनों का सम्मान एवं झांकी के अध्यक्षों को पुरस्कार वितरण के बाद भगवान श्री राम ने रावण की नाभि में बाण मार कर रावण कुंभकरण कुंभकरण वध किया नगर ओबेदुल्लागंज के हजारों भक्तों ने मंगलवार की रात नम आंखों से मां अंबे को विदाई दी। मां दुर्गा की जयकारे की गूंज के साथ विभिन्न जलाशयों में श्रद्धा एवं भक्ति के माहौल में प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विसर्जन का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। इसके साथ ही शारदीय नवरात्र का समापन हो गया। विसर्जन से पूर्व श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से माता की आरती उतारी। महिलाओं ने माता का श्रृंगार किया। उसके बाद पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही उन्हें अगले वर्ष फिर से आने का निमंत्रण भी दिया। इससे पूर्व नगर के विभिन्न पूजा पंडालों के सदस्यों ने सुसज्जित वाहन से प्रतिमा का नगर भ्रमण कराया मेंन चौराहा से जुलूस शुरू होकर दशहरा मैदान पहुंचा इस दौरान श्रद्धालु झूमते नजर आए। पूजा पंडालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी पूजा पंडालों पर श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। विभिन्न पूजा पंडालो व एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने जगह जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी। एसडीओपी विकास पांडे, थाना प्रभारी संजय चौकसे घूम-घूमकर विभिन्न पूजा पंडालों एवं चल समारोह दशहरा मैदान की सुरक्षा का जायजा लेते रहे। उनके साथ पुलिस वल व अन्य अधिकारी प्रतिमा विसर्जन तक विधि-व्यवस्था को संधारित करने के लिए पसीना बहाते रहे। वही चल समारोह का मुख आकर्षण का केंद्र महावीर चोला धारक एवं बहुत पुरानी परंपरा मां के शेर रहे । जो सुबह से ही मां काली स्वरूप के साथ सभी झांकी पंडालों को पहुंच कर झूम झूम कर मां का आशीर्वाद ले रहे थे। दूसरी और बजरंग अखाड़े के पहलवानों के करतब को देख लोगों मंत्रमुक्त हो गये। देर रात चले दशहरा पर्व के कार्यक्रम रावण वध के वाद संपन्न हुआ।

संपूर्ण हिंदू समाज को सन 2025 तक एक सूत्र में पिरोने के लिए बढ़ाए कदम

- पूरा धार शहर का जनमानस नजर आया सड़कों पर

धार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष निकलने वाला पथ संचलन इस वर्ष बहुत ही ऐतिहासिक एवं विराट रूप में निकला। यह विशाल पथ संचलन धार स्थित किला मैदान से शुरू होकर पूरे नगर के मुख्य मार्गो से भ्रमण करते हुए पुनः किला मैदान पर समाप्त हुआ। सभी स्वयं सेवक संघ की गणवेश धारण करते हुए अनुशासन के साथ कदमताल मिलाते हुए संचलन में चल रहे थे। संचलन में कुल 24 वाहिनियों में स्वयंसेवकों को बांटा गया था। यह सभी वाहिनी एक के पीछे एक अनुशासित तरीके से संचलन का एक बहुत ही प्रखर स्वरूप प्रकट कर रही थी।

विजयादशमी संघ के प्रमुख उत्सवों में से एक है। संचलन के पहले मंचीय कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि भूतपूर्व सैनिक जितेंद्र चौधरी रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर थे। मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के धार विभाग कार्यवाह ललित कोठरी ने कहा की संघ व्यक्ति निर्माण का कार्य करता है। व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण होता है। समाज निर्माण से व्यवस्था में परिवर्तन होता है। यह कार्य संघ कार्य है। यहीं कारण है कि दुनिया आज भारत को आशा भरी दृष्टि से देख रही है। विजयादशमी पर प्रारंभ हुई यह भागीरथी गंगा आज विश्व के 40 से अधिक देशों में कार्यरत है। आगामी 2025 में संघ 100 वर्ष पूर्ण करने वाला है।

75 वर्ष से उपर के स्वयंसेवकों ने भी की सहभागिता: सन 1960 के दशक में बने स्वयं सेवक से लेकर तो आज तक के सभी स्वयं सेवक संचलन में सम्मिलित हुए। इस संचलन की खास बात यह थी कि जिन लोगों ने संघ रूपी फसल बोई है। ऐसे 75 वर्ष से उपर के स्वयं सेवक भी इस संचलन के लिए बड़े उत्साहित दिखे और उनके लिए सम्मान के साथ एक अलग से मंच पर स्थान तय किया गया

था। जहां पर उनका उत्साह देखते ही बन रहा था।

संघ के 99 वर्ष पूर्ण होने पर 99 से अधिक मंचों से हुआ स्वागत: राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना सन 1925 में डॉक्टर केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा हुई थी। इसी कड़ी में अब संघ को 99 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। स्वयंसेवकों द्वारा लक्ष्य को पूरा करते हुए और नगर के आम समाज द्वारा मिले भरपूर सहयोग से अलग-अलग सामाजिक, राजनीतिक, स्वप्रेरित, व्यापारी एसोसिएशन, धार्मिक संगठनों द्वारा संचलन का बहुत ही भव्य स्वागत किया गया। स्वागत इतना भव्य था कि धार शहर के इतिहास में आज तक किसी भी शोभायात्रा या अन्य कार्यक्रम में देखने को नहीं मिला है। पूरा शहर मानों फूलों से भरा गया था।

संघ का घोष दल बना पूरे शहर के लिए आकर्षण का केंद्र: जैसे-जैसे संचलन आगे बढ़ रहा था, साथ में घोष भी वादन हो रहा था। घोष बहुत ही मधुर ध्वनि में बज रहा था। जैसे ही घर में बैठे लोगों को घोष की आवाज आई तुरंत ही आतुरता के साथ लोगों ने संचलन का स्वागत करने के लिए वह घर से बाहर आ गए। घोष दल की आपस में सांगिकता लोगों के मन को लुभा रही थी।

अनुशासन के साथ मानवता का परिचय: जब संचलन घोड़ा चौपाटी से वाणी टीवीएस चौराहे की और बड़ रहा था। अचानक पीछे से एंबुलेंस का आना हुआ। मानवता का परिचय देते हुए तुरंत एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए संचलन रोका गया और रास्ता दिया गया। ज्ञात है की अति वर्षा होने के बावजूद संचलन नही रुकता है।

आज तक का धार नगर का निकला ऐतिहासिक पथ संचलन: संघ का विराट संचलन का स्वरूप धार नगर में देखने को मिला। विराटता का अंदाज उससे ही लगाया जा सकता है कि संचलन का पहला छोर नालछा दरवाजा पहुंच चुका था और आखिरी छोर जब तक घोड़ा चौपाटी पर ही था। संचलन में 14 बस्तियों से हजारों स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। जानकारी नगर संघचालक विष्णु शास्त्री ने दी।

खेड़ा स्थित रिसोर्ट में फैमिली संग झूम उठे गरबा प्रेमी

नर्मदापुरम// रविवार रात्रि को आयोजित फैमिली गरबा में 8 हजार से ज्यादा नागरिको एवं गरबा प्रेमियों ने जमकर झूमें । यह कार्यक्रम नगर की खेड़ा स्थित एक गार्डन में गरबा प्रेमियों की भावना को ध्यान में रखते हुए एक समाचार पत्र द्वारा आयोजित किया गया। पारिवारिक माहौल में आयोजन करने वाले समाचार पत्र एवं साईं कृष्णा रिसोर्ट परिवार को गरबा प्रेमियों ने बुलंद आवाज में धन्यवाद दिया और अगले वर्ष इसी तरह का भव्य आयोजन करने की मांग भी की। गरबा डीजे की धुन पर नवरात्रि पर्व में मां अंबे शक्ति की आराधना का प्रतीक गरबा की धुन पर झूम उठा। तीन दिवसीय गरबा का रविवार को समापन किया गया इस अवसर पर रिसोर्ट के संस्थापक संचालक अग्रवाल ,सत्यम अग्रवाल एवं अनिरुद्ध अग्रवाल सहित इवेंट ऑर्गेनाइजर भूपेंद्र विश्वकर्मा ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर नर्मदा अंचल के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी निपुण गोठी, शिरीष कोठारी, पंकज गोयल, अनुराग जैन सहित बड़ी संख्या में नगर के प्रतिष्ठित गण मन नागरिक भी उपस्थित रहे। भूपेंद्र विश्वकर्मा द्वारा साईं कृष्ण रिसोर्ट परिवार को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

दशहरा उत्सव के साथ कांग्रेस प्रत्याशी विपिन ने किया सघन जनसंपर्क

मंदसौर- मंदसौर विधानसभा कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार श्री विपिन जैन ने मंदसौर शहर के राम टेकरी मंडलम के सुदामा नगर, रेवास देवड़ा रोड, भागवत नगर, जमींदार कॉलोनी, नाकोड़ा नगर, मोतिया खाई में सघन जनसंपर्क किया गया द्य बड़ी संख्या में वरिष्ठ कांग्रेस जन व महिला कार्यकर्ताओं के साथ राम टेकरी क्षेत्र की गलियों मैं आम जनता, व्यापारी वर्ग के बीच जा कर जनसंपर्क किया द्य इस दौरान महिला,बुजुर्ग, नौजवान, छोटे किराना , हाथ-ठेला, फल फ्रूट सब्जी विक्रेता ,व्यापारी ,कर्मचारियों, ने दिल खोलकर पुष्प हार व मिठाई खिलाकर श्री विपिन जैन का स्वागत, भिनंदन किया गया द्य कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने निवास पर श्री जैन का मुंह मीठा करा कर,साफा बांधकर स्वागत किया गया द्य इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आमजन के बीच प्रदेश कांग्रेस के 11 वचन का फोल्डर का वितरण किया द्य इस अवसर पर कांग्रेस उम्मीदवार विपिन जैन के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहे,पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी महेंद्र सिंह गुर्जर ,जिला संगठन मंत्री राजेश सिंह रघुवंशी, मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर,शहर ब्लॉक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष सर्वश्री अंबालाल हिंगोरिया, सलीम खान, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख , जिला कांग्रेस पदाधिकारी गण में सर्वश्री कांतिलाल राठौर ,प्रीति पाल सिंह राणा, बबीता सिंह तोमर ,अंजू तिवारी ,ईस्टा भाचावत, अजय लोढ़ा ,आदित्य पाटिल ,कैलाश मनवानी, कमलेश सोनी लाला, डीगपाल सिंह भाटी, सुदर्शन सिंह शक्तावत , सुनील पामेचा, साबिर इलेक्ट्रीशियन ,सुनील बसेर,आसिफ छिपा, मोहम्मद हुसैन रिसालदार ,के के सिंह भाटी, शैलेंद्र बगैरवाल, गोविंद सुरा, सुदर्शन सिंह शक्तावत, संजय नाहर, दिनेश कल्याणी ,राजेंद्र छाजेड़, राजेश फरक्या,वहीद जेदि, सुनील शर्मा, राकेश सुरावत ,हाजी रशीद विजय सिंह सिसोदिया,संजय नाहर, मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष विकास दसोरा, नगर पालिका मंदसौर नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, सेवादल जिला अध्यक्ष दिलीप देवड़ा, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रूपल संचेती, उद्योग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष निर्विकार रातडिया, अजजा जिला अध्यक्ष रमेश सिंगार,शहर ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी गण में, शिव शंकर सोलंकी , रवि विनायका, अमित छाबड़ा, योगेंद्र गौर, जगदीश जटिया,,उस्मान मंसूरी, जयेश बसेर,प्रणय धाकड़ ,श्रीद पांडे, सम्यक जैन, लोकेश रावत सुरेश जैन , दिनेश प्रजापत, पर्वत सिंह, अनिल शर्मा भंवरलाल कुमावत ओम प्रकाश माथुर ,शैलेंद्र मारोठिया अश्विन कचरमल जटिया, अनिल जैन, भूपेंद्र सिंह राठौड़ ,अंसार भाई, रोमिल जैन ,,राहुल खत्री ,अयूब भाई, उमेश घाटिया, मुकेश रतनावत, रमेश सतीदासानी, कन्हैया लाल कुमावत सतीश भारती ,अशांश संचेती, अनिल जैन, दिनेश प्रजापत, राजू रैकवार विपिन बंसल, दीपक भंडारी, गजराज धाकड़, हनुमान सिंह राणावत, मोहम्मद शाकिर मंसूरी,अमन जैन, विनय कुमावत, अशफाक अली, श्याम सालवी, जफर अली, ताराचंद परमार, मनुदीप शर्मा अवसर पर उपस्थित थे द्य कार्यक्रम के अंत में राम टेकरी मंडलम के अध्यक्ष श्री नितेश सतीदासानी ने सभी का आभार माना द्य यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने दी द्य मंदसौर शहर में कल दिनांक 25 अक्टूबर 2023 को प्रातः 8 बजे जिला जेल के सामने देवड़ा जी के मकान के यहां से शुरुआत होगी द्य

लेज के नए कैंपेन नो लेज नो गेम के लिए धोनी ने फैन्स को दिया सरप्राइज होम विजिट

मुंबई, एजेंसी। किसी मैच को देखना बस एक खेल देखने जैसी बात नहीं रह गई है। अगर साथ में लेज के चिप्स के पैकेट्स हों तो मैच देखने का अनुभव और भी ज्यादा आनंददायक हो जाता है। पूरे देश को एक धागे में पिरोने वाले क्रिकेट के आनंद को बढ़ाते हुए लेज ने बेहतरीन और सबसे पसंदीदा क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को एक बार अपने साथ ब्रांड एंबेसडर के रूप में जोड़ा है। ब्रांड एंबेसडर के रूप में दूसरी पारी शुरू करते हुए धोनी लेज के नए कैंपेन श्नो लेज, नो गेमश् में नजर आए हैं।

इस कैंपेन के बारे में और एमएस धोनी को ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने को लेकर पेप्सिको इंडिया की कैटेगरी लीड पोटैटो चिप्स सौम्या राठौड़ ने कहा लेज ने करोड़ों भारतीयों के दिल में अपनी खास जगह बनाई है। सबके पसंदीदा क्रिकेटर एमएस धोनी को एक बार फिर लेज का ब्रांड एंबेसडर बनाने को लेकर हम उत्साहित हैं। इस कदम से ब्रांड और क्रिकेट के दीवाने हमारे देश के बीच का जुड़ाव और गहरा होगा। हमें भरोसा है कि इस डायनामिक पार्टनरशिप और नो लेज, नो गेम कैंपेन से उपभोक्ताओं की खुशियों को चार चांद लग जाएंगे, साथ ही लेज चिप्स के साथ मैच देखने का उनका अनुभव और भी खास हो जाएगा। तो फिर आप भी ले आइए अपना लेज, देखिए मैच और बना दीजिए अपने अनुभव को और भी अनूठा!

लेज के साथ जुड़ने के अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए एमएस धोनी ने कहा मैं एक बार फिर लेज फैमिली का हिस्सा बनने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। घर में बैठकर खेल देखने और लेज चिप्स के बीच बहुत गहरा संबंध है। नो लेज नो गेम कैंपेन बहुत शानदार तरीके से इस कनेक्शन को दिखाता है। इस खेल से वर्षों से इतनी गहराई से जुड़े होने के कारण मैं इस बात को समझता हूं कि लेज किस तरह से कुछ पलों को और भी खास बना देता है। इसलिए अगली बार जब आप मैच देखने बैठें, तो अपने साथ लेज चिप्स रखना न भूलें और इसके शानदार फ्लेवर्स के साथ मैच का आनंद उठाएं।

इस टीवीसी में धोनी घर-घर जाकर यह पता लगाते हुए नजर आते हैं कि घर बैठकर मैच के दौरान लगने वाली हर बाउंड्री, गिरने वाले हर विकेट और मैदान के हर खास पल का आनंद लेते समय फैन्स के पास लेज चिप्स का पैकेट है कि नहीं। जैसे ही धोनी घर का दरवाजा खटखटाते हैं, तो फैन्स के चेहरे पर अलग-अलग तरह के भाव देखने को मिलते हैं। कहीं कोई उत्साहित हैं, तो कोई आश्चर्यचकित है और कई फैन्स भागकर घर में लेज चिप्स के पैकेट खोज रहे हैं। इस टीवीसी की खास बात यह है कि इसमें अभिनेताओं को नहीं, बल्कि आम लोगों को लिया गया है। इसमें धोनी को अचानक अपने दरवाजे पर पाकर फैन्स के चेहरे पर आई सच्ची भावनाओं को दिखाया गया है जिसमें फैन्स बेचैनी से अपने घर में खोजते हैं कि उनके पास लेज है या नहीं। जिनके पास लेज है उन्हें धोनी के साथ मैच देखने का मौका मिलेगा, और जिनके पास लेज नहीं होगा, उनके हाथ से यह खास मौका निकल जाएगा।

स्काई गोल्ड ने बड़े निवेशकों से प्रेफरेंशियल आधार पर अतिरिक्त निवेश आकर्षित किया

मुंबई, एजेंसी। स्काई गोल्ड लिमिटेड(बीएसई कोड=541967 और एनएसईकोड) का निदेशक मंडल प्रेफरेंशियल आधार पर इक्विटी शेयर्स जारी करेगा. कंपनी की?415 प्रति इक्विटी शेयर के इश्यू मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में प्रत्येक ?10 सम भाव के 23,32,800 इक्विटी शेयर्स ऑफर करने की योजना है. प्रमुख नाम में आशीष कचोलिया, बंगाल फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेटलिमिटेड, नारायण ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स, श्रुति मुरली और एक्रोन कंसल्टेंट्स एलएलपी का समावेश है. इसके अलावा 13 अतिरिक्त अलॉटीज इस चुनिंदा ग्रुप में शामिल होंगे, जिन्होंने पूरे 23,32,800 इक्विटी शेयर्स के लिए सब्सक्राइब किया हैं. इस तरह से सामूहिक निवेश प्रभावशाली 99.14 करोड़ हुआ है. इस अवसर पर बोलते हुए स्काई गोल्ड लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर, श्री मंगेश चौहान ने कहा, ÷हमारे निवेशकों द्वारा टीम में और हमारी भावी योजनाओं के प्रति दर्शाए गए विश्वास के लिए हम उनके आभारी हैं. हम ज्वेलरी क्षेत्र में परिवर्तनकारी प्रभाव डालने की प्रतीक्षा में हैं.नए निवेशकों का सहयोग कंपनी को उसकी महत्वाकांक्षी विकास योजना पूरी करने में और उद्योग में उसकी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा.

दूरसंचार विभाग, मप्रा एलएसए ने ईएमएफ रेडिएशन पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया

भोपाल। दूरसंचार विभाग, मध्य प्रदेश लाइसेंस सर्विस एरिया (एलएसए) ने भोपाल के मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में 18 अक्टूबर, 2023 को ईएमएफ रेडियेशन पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। यह आयोजन ऐसे समय मे किया गया जब भारत आजादी के अमृत महोत्सव के रूप मे स्वतंत्रता का 77वां वर्ष मना रहा है और यह सत्र दूरसंचार विभाग के पब्लिक एडवोकेसी प्रोग्राम के तहत आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य गति शक्ति कार्यक्रम नाम से राष्ट्रीय मास्टर प्लान के मुताबिक सामंजस्य हासिल कर सभी की समावेशी वृद्धि को प्रोत्साहित करना है। गति शक्ति से भारत के दूरसंचार ढांचे को खासकर डिजिटलीकरण एवं संचार के क्षेत्रों मे एक जबरदस्त तेजी आने की संभावना है।

मध्य प्रदेश में वर्तमान मे 39,701 दूरसंचार टावर हैं और 50 एमबीपीएस तक की ब्रॉडबैंड स्पीड उपलब्ध कराने में सक्षम आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराने और मध्य प्रदेश को नेशनल ब्रॉडबैंड मिशन के तहत डिजिटल तौर पर उन्नत बनाने के लिए इस राज्य को वर्ष 2024 तक और तीन गुना दूरसंचार टावर की जरूरत है। इस सत्र से आम लोगों को मोबाइल टावर की जरूरतों के संबंध मे जागरूक करने और विश्वसनीय वैज्ञानिक साक्ष्य पेशकर मोबाइल टावरों से हानिकारक विकिरण को लेकर निराधार आशंकाओं को दूर करने में मदद मिली। दूरसंचार विभाग से वरिष्ठ अधिकारियों के एक विशेषज्ञ पैनल ने नागरिकों द्वारा व्यक्त की गईं चिंताओं पर चर्चा की और मोबाइल टावरों से रेडिएशन के संबंध मे स्वास्थ्य को खतरों से जुड़े भ्रम दूर कर उन्हें सही जानकारी उपलब्ध कराई।

बृहस्पति कुमार पाण्डेय को मिला लाडली मीडिया रीजनल अवॉर्ड

बस्ती-लैंगिक संवेदनशीलता के लिए दिए जाने वाले देश के प्रतिष्ठित पुरस्कार लाडली मीडिया एंड एडवरटाइजिंग अवॉर्ड्स-2023 का शनिवार को झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में भव्य आयोजन हुआ। जिसमें बस्ती जनपद के बृहस्पति पाण्डेय को नार्थ रीजन से हिंदी भाषा में दिल्ली प्रेस की पत्रिका फार्म एन फूड में लिखे लैंगिक संवेदनशीलता पर आधारित लेख के लिए मुख्य अतिथि बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रोफेसर डॉ. देव स्वरूप के हाथों लाडली मीडिया रीजनल अवॉर्ड प्रदान किया गया।

उन्हें यह पुरस्कार बिहार के समस्तीपुर के कैजिया गांव की महिलाओं की अद्भुत यात्रा और स्थानीय पशुपालकों पर किए गए परिवर्तनकारी प्रभाव पर लिखी गई स्टोरी पशु आहार बनाने में गाँव की महिलाएं कर रहीं है तरक्की के लिए प्रदान किया। उनके इस लेख में स्वयंसहायता समूह, वित्तीय अनुशासन, समुदाय संचालित विकास और आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है।

गौर तलब है की बृहस्पति पाण्डेय पिछले एक दशक से दिल्ली प्रेस के फार्म एन फूड पत्रिका के लिए लिखते रहें हैं जिसमें उनके कृषि, बागवानी, सहित जेंडर समानता और सफलता की सैकड़ों स्टोरी और फीचर प्रकाशित हो चुके हैं।

बृहस्पति कुमार पाण्डेय का जूरी द्वारा लाडली मीडिया अवार्ड के लिए चयन किया गया था, जिन्हें भव्य और गरिमामय समारोह में पुरस्कार प्रदान किए गए। गौरतलब है कि लाडली मीडिया अवॉर्ड लैंगिक संवेदनशीलता के लिए दिया जाने वाला दुनिया में अपनी तरह का अनूठा पुरस्कार है। इसे मीडिया पुरस्कारों का महाकुंभ भी कहा जाता है। यह लैंगिक रूप से न्यायसंगत समाज के निर्माण के लिए

लैंगिक संवेदनशीलता के क्षेत्र में दिया जाने वाला मीडिया पुरस्कारों का महाकुंभ

साल 2023 के लिए 13वें संस्करण का भव्य आयोजन, राजस्थान ने की मेजबानी

मीडिया और संचार के क्षेत्र में भेदभाव को मिटाने के लिए ध्यान केंद्रित करता है।

जयपुर के लोक संवाद संस्थान और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के सहयोग से पॉपुलेशन फर्स्ट की ओर से आयोजित इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रोफेसर डॉ. देव स्वरूप थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना मीडियाकर्मियों और पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि मीडिया में लैंगिक भेदभाव और रूढ़िवादी प्रतिनिधित्व को प्रोत्साहित न किया जाए। इसके स्थान पर मीडिया को महिलाओं और समाज के हाशिये पर रहने वाले वर्गों के सशक्तिकरण की आवश्यकता पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया के व्यावसायीकरण के दौर में अक्सर यह देखा गया है कि लैंगिक भेदभाव से जुड़े विभिन्न मुद्दों के लिए मीडिया का स्थान लगातार सिकुड़ रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि ऐसे मुद्दों के लिए समर्पित मीडिया क्षेत्र का विस्तार करने की बहुत गुंजाइश है।

वहीं कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ हॉनर यूएनएफपीए के पॉलिसी एवं साझेदारी प्रमुख जयदीप बिस्वास थे। विशिष्ट अतिथि यूएनएफपीए की प्रोग्राम मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट अनुजा गुलाटी, यूएनएफपीए-राजस्थान के स्टेट हेड दीपेश गुप्ता, राजस्थान राज्य सामाजिक कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा एवं राजस्थान राज्य नेहरू बाल साहित्य अकादमी के अध्यक्ष इकराम राजस्थानी थे। इस अवसर पर लाडली कार्यक्रम की राष्ट्रीय समन्वयक और थिएटर कलाकार डॉली ठाकोर भी मौजूद रहीं।

पॉपुलेशन फर्स्ट की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. ए.एल. शारदा ने बताया कि विजेताओं का चयन विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी 55 सदस्यीय जूरी ने किया। इसके लिए जूरी की कुल 30 बैठकें हुईं। जूरी ने गहन विचार-विमर्श के बाद कुल 87 पत्रकारों को लैंगिक संवेदनशीलता के लिए प्रतिष्ठित लाडली मीडिया अवॉर्ड के लिए चयनित किया। वहीं 31 पत्रकारों को जूरी प्रशंसा प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित करने का निर्णय लिया। डॉ. शारदा ने कहा कि लाडली मीडिया अवॉर्ड मीडिया पेशेवरों को अपने काम में लैंगिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देकर समाज की प्रगति में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करता है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

पुरस्कार समारोह में मेहमानों और विजेताओं को मंत्रमुग्ध करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत श्री वीर बालिका विद्यालय की छात्राओं की ओर से जेंडर संवेदनशील आधारित गीत एवं नृत्य बेटी हूं, मैं तारा बनूंगी से हुई। इसके बाद राजस्थान के पारंपरिक लोक कलाकार मेहरदीन लंगा और उनकी मंडली की ओर से राजस्थानी लोक संगीत का प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा कालबेलिया जनजाति सपेरा नृत्य की भी छाप बिखेरी गई। लोक संवाद संस्थान के सचिव कल्याण सिंह कोठारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम की मेजबानी राजस्थान विश्वविद्यालय के जनसंचार केंद्र के पूर्व अध्यक्ष डॉ. संजीव भानावत और दूरदर्शन-आकाशवाणी, दिल्ली की एंकर डॉ. प्रियंका कटारिया ने की।

रसोई में बनाया प्रोडक्ट, घर-घर जाकर बेचा, राशन की दुकान चलाने वाले ने खड़ी की अरबों की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। वीको टरमरिक, नहीं कॉस्मेटिक, वीको टरमरिक आयुर्वेदिक क्रीम... वज्रदंती, वज्रदंती वीको वज्रदंती... एक समय था जब सिनेमा हॉल में फिल्में देखने जाते थे, तो यह विज्ञापन जरूर आता था। टीवी पर भी ये जिंगल हिट थे। आज जो वीको इतनी पॉपुलर है, एक समय इसके प्रोडक्ट घर-घर जाकर बेचने पड़ते थे। शुरुआत में एक किचन में विको के प्रोडक्ट बनाए गए थे। विको की कहानी बड़ी दिलचस्प है। और इससे भी दिलचस्प कहानी है इसके फाउंडर की। एक राशन की दुकान चलाने वाला लड़का, जिसने अरबों रुपयों की कंपनी खड़ी कर दी। आइए जानते हैं।

पहला आयुर्वेदिक ब्रांड

इस समय आयुर्वेदिक प्रोडक्ट तैयार करने वाली कई सारी कंपनियां हैं। कई नए स्टार्टअप्स भी आ गए हैं। पतंजलि एक बड़ा ब्रांड है। लेकिन विको ने आयुर्वेद की मुहिम ऐसी कंपनियों के वजूद में आने से काफी पहले ही छेड़ दी थी। विको ने साल 1952 में आयुर्वेद पर आधारित अपना पहला प्रॉडक्ट मार्केट में उतारा था। टूथपेस्ट और पाउडर के मामले में विको ही देश का पहला आयुर्वेदिक ब्रांड है।

वीको का पूरा नाम विष्णु इंडस्ट्रियल केमिकल कंपनी है। नागपुर में एक राशन की दुकान चलाने वाले केशव विष्णु पेंढरकर ने साल 1952 में इसकी शुरुआत की थी। राशन की दुकान से केशव इतना नहीं कमा पा रहे थे कि अच्छे से परिवार का भरण-पोषण कर पाएं। वे कुछ अलग करना चाहते थे। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपने परिवार के साथ मुंबई आ गए।

इस तरह आया आइडिया

केशव ने मुंबई आकर कई छोटे बिजनस शुरू किये। वे इस दौरान बाजार को समझते रहे और गलितियों से सीखते रहे। यहां उनका ध्यान एलोपैथिक दवाइयों और पॉन्ड्स, नीविया, अफगान स्नो जैसे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट की तरफ गया। ये सब विदेशी ब्रांड थे। ऐसे में विष्णु ने एक नेचुरल आयुर्वेदिक प्रॉडक्ट बनाने के बारे में सोचा। विष्णु को इसके लिए आयुर्वेदिक दवाओं की जानकारी चाहिए थी। इममें उनके साले ने उनकी मदद की।

रसोई में बनाया पहला प्रोडक्ट: 3 कमरों के घर में रह रहे केशव ने अपनी रसोई को ही आयुर्वेदिक प्रोडक्ट के लिए मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बना लिया था। दूसरे कमरों को गोदाम और ऑफिस बना लिया। इस तरह एक छोटे से घर में विको कंपनी की शुरुआत हुई। पहला आयुर्वेदिक प्रॉडक्ट 'विको वज्रदंती टूथ पाउडर' तैयार किया गया। इस प्रॉडक्ट के लिए दावा किया गया कि यह 18 जड़ी बूटियों से बना है। साथ ही यह दांतों की सफाई व मसूढ़ों को

मजबूत करने में बेहद उपयोगी है। खास बात यह थी कि यह पाउडर केमिकल फ्री था।

चल गया बिजनस

शुरुआत में केशव अपने बेटों के साथ लोगों के घर-घर जाकर विको टूथ पाउडर बेचने और उसका प्रचार करने लगे। यह आसान नहीं था। उन्हें कई लोगों से डांट भी सुननी पड़ी। कई तो बिना बात सुने ही भगा देते थे। लेकिन केशव ने हार नहीं मानी। धीरे-धीरे इस प्रोडक्ट की लोगों के बीच पहचान बनने लगी। इसके बाद जब कंपनी अच्छा करने लगी कि पेंढरकर परिवार ने इसे रजिस्टर करा लिया। जैसे-जैसे समय बढ़ा कंपनी की ग्रोथ भी बढ़ती गई।

विजयादशमी पर्व, योग मनुष्य की विचार प्रक्रिया को प्रकाश देगा और उसके विचारों और ज्ञान की गुणवत्ता को सुधारेगा :अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में हर साल आश्विन मास की दशमी तिथि को दशहरा का पर्व मनाया जाता है। विजयादशमी का यह पर्व अच्छाई की बुराई पर, सत्य की असत्य पर विजय का प्रतीक है। यह त्योहार हमें संदेश देता है कि बुरा व्यक्ति चाहे कितना ही बलवान व प्रभावशाली क्यों न हो उसका अंत सुनिश्चित है। मृत्यु पर भी विजय पाने वाले रावण का अंत कर मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने अधर्म पर धर्म की विजय दिलाई।

योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि योगविद्या भारतवर्ष की सबसे प्राचीन संस्कृति और जीवन पद्धति है तथा इसी विद्या के बल पर भारतवासी प्राचीनकाल में सुखी, समृद्ध और स्वस्थ जीवन बिताते थे। पूजा-पाठ, धर्म-कर्म से शान्ति मिलती है और योगाभ्यास से धन धान्य, समृद्धि और स्वास्थ्य। भारत में सुख, समृद्धि, शक्ति और स्वास्थ्य के लिए हर व्यक्ति को योगाभ्यास करना चाहिए। योग मनुष्य की विचार प्रक्रिया को प्रकाश देगा और उसके विचारों और ज्ञान की गुणवत्ता को सुधारेगा। फलतः योग मनुष्य को उसकी समस्याओं की अनिवार्यता को समझने की शक्ति देगा और इसी की हम आशा कर रहे हैं। योग अगर शक्तिशाली विश्व संस्कृति बन जायेगा तो क्या हम मनुष्य के दुःखों और दुनिया की बुराइयों का अंत होने की आशा कर सकते हैं? योग महान् शक्ति बनने जा रहा है, इसका मतलब यह नहीं है कि मनुष्य बीमार नहीं पड़ेगा या स्पर्धा नहीं होगी और हर कोई एक-दूसरे से प्रेम ही करने लगेगा। इसका अर्थ यह भी नहीं है कि दुनिया में घृणा नहीं रहेगी और हर आदमी सुखी हो जायेगा अथवा समस्याओं व रोगों से वह मुक्त ही हो जायेगा।

भारत सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। मजबूत घरेलू बुनियाद और मुद्रास्फीति में नरमी की उम्मीदों के चलते भारत वित्त वर्ष 2023-24 में दुनिया की सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा के सितंबर संस्करण में यह भी कहा गया है कि पर्सियन गल्फ में हाल के घटनाक्रमों से वैश्विक अनिश्चितताएं बढ़ गई हैं और स्थिति कैसे विकसित होती है, उस आधार पर, कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, अमेरिकी ट्रेजरी की निरंतर आपूर्ति और अमेरिका में निरंतर प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति (आगे मौद्रिक नीति सख्त होने से इनकार नहीं किया गया है) वित्तीय स्थितियों को प्रतिबंधात्मक बना सकता है। मौजूदा स्तरों पर, अमेरिकी शेयर बाजारों में ऊपर की तुलना में अधिक नकारात्मक जोखिम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि गिरावट का जोखिम बढ़ता है, तो इसका अन्य बाजारों पर प्रभाव पड़ेगा। समीक्षा में कहा गया है, भयावह भू-राजनीतिक स्थितियां वैश्विक जोखिम विचलन में सामान्य वृद्धि का कारण बन सकती हैं।

महिलाओं की अस्मिता के लिए लड़ने वाले महाराव शेखा जी को मेरा नमन : दिया कुमारी

जयपुर। दिया कुमारी ने आज विद्याधर नगर विधानसभा के दादी का फाटक में श्री क्षत्रिय सेवा समिती द्वारा आयोजित महाराव शेखा जी की जयंती समारोह में शिरकत की। उन्होंने महाराव शेखा जी को नमन करते हुए कहा कि जिस राजस्थान में महिलाएं अपने घर, शहर, गांव, खेत एवं खलिहान में सुरक्षित नहीं हैं वहीं हमारे पूर्वज राव? शेखा जी ने एक महिला की अस्मिता के लिए लड़ते हुए अपने प्राण दे दिये थे।

जनसम्पर्क के अगले पड़ाव में दिया कुमारी ने मुरलीपुरा में सिंधी पंचायत कार्यक्रम में भाग लिया। उसके पश्चात श्री राजपूत करणी सेना द्वारा आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं।

इससे पूर्व उन्होंने विजयादशमी के उपलक्ष्य पर आयोजित विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 13 में पतंजलि योग समिति जयपुर एवं पतंजलि योगाथन द्वारा आयोजित श्री हनुमान चालीसा पाठ और शास्त्र एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुई और विश्व के कल्याण की प्रार्थना की। इसी उपलक्ष्य में दिया कुमारी बदल्यो बदल्यो राजस्थान द्वारा आयोजित विजयादशमी कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुईं।

हर एक वोटर दिया कुमारी बनकर कांग्रेस की इस निकम्मी सरकार को मुँह तोड़ जवाब देगा

दिया कुमारी ने किया प्रधान कार्यालय का उद्घाटन

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी विद्याधर नगर विधानसभा के प्रधान कार्यालय के उद्घाटन समारोह में दिया कुमारी ने कहा कि विद्याधर का हर एक वोटर दिया कुमारी बनकर कांग्रेस की इस निकम्मी सरकार को मुँह तोड़ जवाब देगा।

आराध्य देवी-देवतों को याद करते हुए दिया कुमारी ने भाषण की शुरुआत में स्वर्गीय भैरों सिंह शेखावत जी और अपने पिता स्वर्गीय महाराज भवानी सिंह जी की जयंती पर नमन किया। इसके पश्चात उन्होंने प्रधान कार्यालय के उद्घाटन समारोह में आशीर्वाद देने पधारे महाराज रामरिछपाल दास, त्रिवेणी धाम, हाथोज धाम से पधारे महाराजबालमुकुंद आचार्य, सांसद जयपुर शहर रामचरण बोहरा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश प्रवक्ता मुकेश पारीक, प्रभारी रामेश्वर चौहान, पूर्व विधायक बीरु सिंह, जिला उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश सैनी, जिला मंत्री सुनीता अग्रवाल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी, मंडल अध्यक्ष मोहनलाल अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष ताराचंद शर्मा, मंडल अध्यक्ष भंवर सिंह, मंडल अध्यक्ष विजय शर्मा, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, समस्त मंडलों के पदाधिकारी, समस्त पार्षद, वार्ड अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, मीडिया बन्धु एवं सम्मानित कार्यकर्ता गणों का धन्यवाद किया।

सांसद बोहरा ने अपने सम्बोधन के दौरान विद्याधर नगर वासियों को विद्याधर विधानसभा से सवा लाख वोटो से जिताने का आवाहन किया था। इस पर मजाकिया लहजे में दिया कुमारी ने अपने उदबोधन में कहा कि सांसद बोहरा को 1 लाख 27 हजार वोट के अंतर से बढ़त मिली थी और मुझे भी उनसे ज्यादा वोटो से जिताना है। सांसद बोहरा ने फिर से माइक संभालते हुए जनता से आवाहन किया की विद्याधर की जीत मुझे मिली बढ़त से भी बड़ी होनी चाहिए।

यह चुनाव प्रदेश और सनातन को तोड़ने वाली ताक़तों के खिलाफ

कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए दिया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के अत्याचारों से कोई भी वर्ग बचा नहीं है। महिला, युवा, किसान, व्यापारी, हर एक को इस सरकार ने प्रताड़ित किया है। इस सरकार ने महिलाओं के लिए एक असुरक्षित वातावरण बना दिया है जिस कारण बेटियों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

दिया कुमारी ने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि यह चुनाव खोया हुआ सम्मान और स्वाभिमान वापिस लेने का चुनाव है। दिया कुमारी ने कहा कि यह चुनाव इस तुष्टिकरण की राजनीती करने वाली सरकार को उखाड़ फेंकने का, युवाओं के उज्जवल भविष्य और प्रदेश में पुनः शांति स्थापित करने का चुनाव है।

नारी शक्ति को याद दिलाते हुए दिया कुमारी ने कहा कि मातृ शक्ति को इस चुनाव में मुख्य भूमिका निभाने का काम करना होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नारी शक्ति वंदन कानून के ज़रिये महिलाओं के हाथ मजबूत करने का काम किया है। इसी मजबूती से सभी को बूथ स्तर पर कार्य करने का निवेदन किया और भाजपा को प्रचंड जीत दिलाने का लक्ष्य दिया।

महानवमी के शुभ अवसर पर कन्या पूजन में शामिल हुई दिया कुमारी

दिया कुमारी ने आज महानवमी के मंगल अवसर पर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 13 में मेरी पहल संस्था द्वारा आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम में कन्याओं की सेवा की। इससे पूर्व उन्होंने बावला बाबा जी महाराज के स्थान पर, श्री भोमिया जी महाराज सेवा समिति द्वारा आयोजित हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में शिरकत की और सर्व मंगल की कामना की।

मेरी अब तक हुई सभी जीत का श्रेय पार्टी के कार्यकर्ताओं को

इस साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता, पार्टी की रीढ़ की हड्डी है और मेरे लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है कि मैं जहाँ भी गयी, कार्यकर्ता भाई बहनों ने मेरा भरपूर साथ दिया और मुझे विजयी बनाया। उन्होंने कहा कि विद्याधर का हर एक कार्यकर्ता उसी जोश और उत्साह के साथ काम कर रहा है और यहाँ से भी हमको जीत मिलेगी।

भैरोंसिंह जी शेखावत की जन्म-शताब्दी पर

पुष्पांजलि अर्पित की

दिया कुमारी ने देश के पूर्व-उपराष्ट्रपति एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय भैरोंसिंह जी शेखावत की जन्म-शताब्दी दिवस पर विद्याधर नगर स्थित स्व. भैरोंसिंह जी शेखावत स्मृति स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

सोशल मीडिया में प्रसारित भ्रामक न्यूज पर वैधानिक कार्यवाही करने का निर्णय

छिन्दवाड़ा। सोशल मीडिया में प्रसारित भ्रामक न्यूज के संबंध में आज फेक न्यूज के लिये गठित जिला मीडिया सेल के नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री के.सी.बोपचे की अध्यक्षता में बैठक जिला निर्वाचन कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में श्री गगन चौधरी की फेसबुक लिंक का अवलोकन किया गया जिसमें श्री चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर भ्रामक पोस्ट ÷यदि 100 लोग चुनाव में खड़े हो गये तो चुनाव ई.व्ही.एम. से ना होकर मतपत्र से होगा÷ अपलोड कर निष्पक्ष मतदान को धूमिल करने का प्रयास किया है। इस भ्रामक पोस्ट पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 4 अगस्त 2023 को जारी एसओपी में दिये गये निर्देशों के अनुसार निर्धारित प्रोफॉर्मा में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल की ओर जानकारी प्रेषित की जायेगी। साथ ही एसओपी में दिये गये निर्देशों के अनुसार संबंधित व्यक्ति के विरूध्द वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

आयोग द्वारा मतदाताओं के लिये वेबसाइट पर ई-ईपिक डाउनलोड करने की सुविधा

छिन्दवाड़ा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत मतदाताओं के लिये ई-ईपिक कार्ड को डाउनलोड करके ई-ईपिक कार्ड प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके लिये मतदाता वेबसाइट के माध्यम ई-ईपिक कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प ने बताया कि ई-ईपिक कार्ड के लिये प्रथम स्टेप में मतदाता को वेबसाइट में वोटर पोर्टल पर रजिस्टर कर लॉग इन करना होगा और इसके बाद व्दितीय स्टेप में ई-ईपिक डाउनलोड ऑप्शन पर जाकर ईपिक नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद तृतीय स्टेप में रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करने के बाद चतुर्थ स्टेप में मतदाता ई-ईपिक डाउनलोड करके ई-ईपिक कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने जिले के मतदाताओं से आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधा का अधिक से अधिक संख्या में लाभ लेने की अपील भी की है।

नागरिकों के लिये भारत निर्वाचन आयोग का सी-विजिल मोबाईल एप

छिन्दवाड़ा।/ भारत निर्वाचन आयोग ने सी-विजिल नामक एक सरल लेकिन प्रभावीमोबाईल एप डिजाइन और विकसित की है। यह मोबाईल एप्लीकेशन निर्वाचन के दौरान जागरूकता, विश्वास और आत्मविश्वास पैदा करके नागरिकों के साथ विश्वास आधारित साझेदारी को सुगम बनाता है । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयारसी-विजिल मोबाईल एप निर्वाचनों के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने जैसे रिश्वतखोरी, मुफ्त उपहार, शराब वितरण, अनुमत्य समय के बाद लाउडस्पीकर बजाने वालों के खिलाफ नागरिकों को रिपोर्ट करने के लिए सशक्त बनाता है। इस मोबाइल एप का उपयोग करके नागरिक लाइव फोटो या वीडियो कैप्चर तैयार करते हैं। निर्वाचन तंत्र उल्लंघन का साक्ष्यिक सबूत मिलते ही तुरंत कार्रवाई करने के लिए तैयार हो जाता है। हर सी-विजिल मामले पर कार्रवाई की जाती है और 100 मिनट की समयावधि के दौरान की गई कार्रवाई के साथ वापिस जवाब भेजा जाता है।कलेक्टर एवं जिला निवार्चन अधिकारी श्री मनोज पुष्प ने जिले के नागरिकों से मोबाईल के प्लेस्टोर में जाकर सी-विजिल मोबाईल एप डाउनलोड करने की अपील की है।

प्रतिवर्षानुसार कुंड बनाकर किया देवी जी का विसर्जन

प्रकृति की शोभा बढ़ाने एवं जल प्रदुषण को रोकने हेतु घर मे विशाल कुंड मे किया गया देवी भगवती जी का विसर्जन।

छिंदवाड़ा। ग्राम झिरलिंगा मे ठाकुर परिवार मे स्थापित माँ भगवती का नवरात्रि मे विशेष श्रंगार सहित नौ दिवस विशेष भोग सहित अनंत श्रद्धा से माँ भगवती जी का पूजा अर्चन किया गया एवं दसवे दिवस माँ भगवती की मूर्ति को गृह के कुंड मे विसर्जन किया गया।

पुजारी सत्येंद्र शुक्ल के जी के अनुसार प्रकृति भी माँ के स्वरूप मे समाहित होती है उसकी रक्षा करना एवम उसको संरक्षित करना हमारा सनातन धर्म है। माता जी का नियमित पूजन पश्चात् मूर्ति का विसर्जन कर दिया गया कुंड मे प्रतिमा को रखकर उस पर जल से अभिषेक किया जिससे मूर्ति धीरे धीरे घुलती गई बाद मे इस जल को खेतो मे डाल दिया गया। ठाकुर परिवार मे स्थापित भगवती जी के विसर्जन मे सम्मलित हुए धीरज सिंह ठाकुर, फूलसिंह ठाकुर, करन सिंह ठाकुर, कुबेर सिंह ठाकुर, गंधर्व सिंह ठाकुर, गंभीर सिंह ठाकुर, पदम सिंह ठाकुर, विशाल ठाकुर, दीपू ठाकुर, अजय ठाकुर, विकास ठाकुर, आकाश ठाकुर, मनीष ठाकुर, रामेन्द्र ठाकुर एवं समस्त ठाकुर परिवार ने माँ भगवती को भावभीनी विदाई दी। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी जल संरक्षण एवं जल प्रदुषण को रोकने के लिए ये शुरुआत की गई है यहाँ चतुर्थ वर्ष है कुंड बनाकर विसर्जन करने का और ठाकुर परिवार के समस्त सदस्यों ने सभी भक्तजनों से विनम्र अपील की है की यहाँ अच्छी पहल की शुरुआत सभी पंडालो मे की जानी चाहिए।

मूर्ति एवं जवारे का हुआ विसर्जन

छिंदवाड़ा - माँ दुर्गा गणेश शनि सेवा समिति श्रीश्री सिंह वाहिनी मंदिर पी डब्लू डी परिसर शिवनगर कालोनी में नवमी को मूर्ति एवं घट विसर्जन हुआ समिति के अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह बैस ने बताया कि दिनाँक 23 अक्टूबर दिन सोमवार को 95 ज्योति कलश (जवारे) एवं मूर्ति का विधिवत पूजन अर्चना कर बाजे गाजे के साथ बड़ी संख्या में समित के सदस्यों तथा श्रद्धालुओं द्वारा छोटे तालाब में विसर्जित किया गया उसके उपरांत रात 8 बजे भंडारा प्रसाद वितरण किया गया बड़ी संख्या में भत्तों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया । कार्यक्रम में श्री पंडित राम शर्मा , श्री रोमी राय , श्री धनराज यादव , श्री दिनेश शुक्ला , श्री कृष्णा राव ताठे , श्री चुन्नीलाल खुराना , श्री गणपत साहू ,श्री अनिल शुक्ला , श्री सुशील पटवा ,श्री पी के पांडेय ,श्री देवेन्द्र अग्निहोत्री , शिव राव पवार ,विनोद पूरी ,रघुवीर सिंह राजपूत , राजाराम राठौड़ ,रामचरण साहू, कामता प्रसाद गोलू , शिवदयाल शर्मा , पंकज शर्मा,रिंकू बैस तथा श्री अम्बिका प्रसाद मिश्रा , श्री सुरेंद्र दुबे प्रधान पुजारी उपस्थित थे ।

छिंदवाड़ा में 51 फीट के रावण पुतले का गोधूलि बेला में हुआ दहन....

इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व सीएम एवं छिंदवाड़ा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी कमलनाथ, संसद नकुलनाथ और भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू, आयोजन कमेटी के सदस्य सहित हज़ारो की संख्या में आमजन दशहरा मैदान में मौजूद थे।

एक पौधा-लोकतंत्र के नाम की थीम पर नगर परिषद चाँद में रोपे गये पौधे

छिन्दवाड़ा।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्री पार्थ जैसवाल के मार्गदर्शन में जिले में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्वीप गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में विधानसभा क्षेत्र 124-चौरई में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत राजस्व अनुविभागीय अधिकारी श्री प्रभात मिश्रा व नोडल स्वीप प्लान अधिकारी चौरई श्री विजय पवार व स्वीप प्रभारी चौरई श्री राकेश कुमार मालवीय के संयोजन और तहसीलदार चाँद श्री इन्द्रसेन तुमराली के नेतृत्व में नगर परिषद चाँद के मोक्षधाम में पौधारोपण कर मतदाता जागरूकता का संदेश प्रसारित किया गया । विकासखण्ड स्वीप प्रभारी श्री मालवीय ने बताया कि स्वीप गतिविधि के अंतर्गत दी गई साप्ताहिक थीम के अनुसार आज ÷एक पौधा-लोकतंत्र के नाम÷ कार्यक्रम आयोजित कर पौधारोपण किया गया । कार्यक्रम में तहसीलदार श्री तुमराली ने कहा कि हमें लोकतंत्र को भी पौधों के समान स्वच्छ बनाना है और शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य की पूर्ति करना है। इस अवसर पर 13 मतदान केन्द्रों के बीएलओ सर्वश्री परमाल सिंह ठकरिया, रघुनाथ वर्मा, किशनलाल वर्मा, संदीप चौरासिया, तेजसिंग कुमरे, राजू आरधी, ओमप्रकाश चौरासिया, सोहन डेहरिया, चंद्रशेखर मराठा, चंद्रशेखर अयोधि, राकेश नामदेव, श्रीमती ठाकुर, असलम खान व हीरालाल चौरे और नगर परिषद के कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर-एसपी ने एसएसटी चैक पोस्ट एवं आरओ कार्यालय का किया निरीक्षण

सीहोर विधानसभा निर्वाचन-2023 को दृष्टिगत रखते हुए जिलेभर में चैक पोस्ट स्थापित कर अन्य जिलों आने वाले वाहनों की चैकिंग स्थैतिक निगरानी दल द्वारा की जा रही है। कलेक?टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह एवं एसपी श्री मयंक अवस्थी ने जिले की सीमाओं पर लगे एसएसटी चैक पोस्ट का निरीक्षण किया और एसएसटी दल के अधिकारियों-कर्मचारियों को सभी वाहनों की गहनापूर्वक चैकिंग करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह एवं एसपी मयंक अवस?थी ने बुधनी विधानसभा के लाड़कुई, छीपानेर, रेहटी एवं बुधनी में लगाए गए एसएसटी नाको का निरीक्षण किया। इस दौरान उन?होंने एसएसटी दल के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी संदिग्ध वाहन बिना चैकिंग के निकलना नहीं चाहिए। संदिग्ध धनराशि, अवैध मादक पदार्थ और ऐसी वस्तुएं जिनसे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित होने की संभावना हो, उन?हें त?वरित कार्यवाही करते हुए जब?त करें। उन?होंने कहा कि जांच के दौरान आमजन को किसी तरह की कोई परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखें। उन?होंने एसएसटी दल के अधिकारियों से कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें और आचार संहिता का उल्लंघन सामने आने पर तत्काल सख्त कार्रवाई करें। उल?लेखनीय है कि जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने के उद्देश?य से नाके बनाकर एसएसटी (स्थेटिक सर्विलेंस टीम) तैनात की गई हैं। साथ ही एफएसटी (फ्लाइंग स्क्वायड टीम) और वीएसटी (वीडियो सर्विलेंस टीम) भी काम कर रही हैं। इन टीमों में सेक्टर अधिकारियों के साथ-साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल शामिल किया गया है।

कलेक्टर-एसपी ने रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय का किया निरीक्षण

निर्वाचन की अधिसूचना के प्रकाशन के पश्चात 21 अक्टूबर से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र लेने की कार्यवाही प्रारंभ हो चुकी है। नाम निर्देशन पत्र 30 अक्टूबर 2023 दोपहर 3 बजे तक लिए जाएंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह एवं एसपी श्री मयंक अवस?थी ने बुधनी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए अनुविभागीय कार्यालय में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय, हेल्पडेस्क, नाम निर्देशन पत्र में ड्यूटीरत अधिकारी-कर्मचारियों, व्यय लेखा दल सहित अन्य दलों की कार्यवाही के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्वाचन कार्य में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री राधेश्याम बघेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मतदान ड्यूटी से मुक्त होने के लिए आवेदन करने वाले कर्मियों का मेडिकल बोर्ड करेगा स्वास्थ्य परीक्षण

विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतदान दलों में लगे कर्मचारी-अधिकारियों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी कारणों के चलते मतदान दल संबंधी कार्य से मुक्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किए गए है। संबंधित कर्मियों के द्वारा प्रस्तुत चिकित्सकीय दस्तावेज एवं स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जिला पंचायत कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

विधास निर्वाचन 2023 के अंतर्गत 24 घंटे संचालित है जिला स्तरीय निर्वाचन कंट्रोल रूम

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में विधानसभा निर्वाचन 2023 को सुचारू रूप से संपन्नकराये जाने के लिये ई-दक्ष केन्द्र में जिला स्तरीय निर्वाचन कंट्रोल रूम को स्थापित किया गया है। यह कंट्रोल रूम 24ङ्क7 चालू है जिसका टेलीफोन नंबर 07162-243421 है। जिला स्तर पर कार्यरत कंट्रोल रूम के लैंडलाइन नंबर द्वारा जिले के 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता एवं दिव्यांग मतदाता भी मतदान संबधी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए संपर्क कर सकते हैं । अतिरिक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री के.सी.बोपचे ने बताया कि इसजिला स्तरीय निर्वाचन कंट्रोल रूम में 6 कर्मचारियों की 3 शिफ्टों में ड्यूटी लगाई गई है।

शिव मंदिर निर्माण कार्य भूमि पूजन

छिंदवाड़ा। दुर्गा गणेश शनि सेवा समिति श्रीश्री सिंह वाहिनी दुर्गा मंदिर पी डब्लू डी परिसर शिवनगर कालोनी में किया गया । समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस ने जानकारी देते हुए बताया कि गणेश मंदिर परिसर में एक शिव मंदिर का निर्माण किया जा रहा है जिसका सभी सदस्यों एवं भक्तों द्वारा विधि विधान से भूमि पूजन किया गया । भूमि पूजन कार्यक्रम में पंडित राम शर्मा, देवेंद्र अग्निहोत्री, धनराज यादव, दिनेश शुक्ला, दारा जुनेजा, कृष्णा राव ताठे, चुन्नीलाल खुराना, अनिल शुक्ला, गणपत साहू , एस डी शर्मा, रामचरण साहू, श्रीमती अनिता बैस,श्रीमती सविता शुक्ला, शिव राव पवार, विनोद पूरी, राठौर ,मनीष तिवारी सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य गण तथा अम्बिका प्रसाद मिश्रा, सुरेंद्र दुबे मंदिर पुजारी उपस्थित थे।

असत्स पर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा उत्साह और उमंग से मनाया

सीहोर । शहर में मंगलवार को दशहरा पर्व परंपरागत तरीके से उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। आधा दर्जन अधिक स्थानों पर बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया गया। इसके अतिरिक्त गली,मोहल्लों मे भी बच्चों ने दर्जनों स्थानों पर रावण पुतले बनाकर उनका दहन किया गया, नवरात्रि समाप्ति के बाद सुबह से ही दुर्गा पंडालो में विराजित मां की प्रतिमाओं को चल समारोह के रूप मे विसर्जन स्थल टाउनहाल स्थित स्टाप डेम पर ले जाने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो देर रात तक चलता रहा।बुधवार को भी प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला बने रहने की संभावना हैं।

सैकड़ो की उपस्थिति में हुआ रावण दहन

शहर में आधा दर्जन स्थानों पर दशहरा उत्सव समितियों द्वारा परंपरागत तरीके से सैकड़ों लोगो की उपस्थिति मे बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया गया, गंज स्थित दशहरा मैदान में बंटी राठौर सहित सीवन नदी तट पर पंकज गुप्ता, छावनी स्थित बाल बिहार मैदान में रावण, कुंभकरण और मेंघनाथ के पुतलों का दहन संरक्षक जसपाल सिंह अरोरा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इंदौर नाका स्थित दशहरा मैदान में जहां रावण के पुतले जलाए गए वही हनुमान फाटक पर पुरानी परंपरानुसार कस्बा क्षेत्र के सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में रावण का ध्वंस किया गया । इन स ा स्थानों पर आकर्षक विद्युत सजावट के साथ रंग-बिरंगी आतिशबाजी मनमोहने वाली रही ।

बच्चों में उत्साह

प्रमुख स्थानों पर रावण दहन के साथ ही दशहरे पर्व का उत्साह बच्चों में ज्यादा दिखाई दिया।शहर के गली, मोहल्लों मे भी छोटे, बड़े रावण के पुतले बनाकर उनका दहन किया। रावण दहन के पूर्व राम बारात का अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। वही रावण दहन के उपरांत भरत मिलाप और राज तिलक के कार्यक्रम ा संपन्न हुए ।

देर रात तक होता रहा प्रतिमाओं का विसर्जन

नवरात्रि सोमवार को संपन्न होने के साथ ही शहर के भव्य और विशाल पंडालों में विराजित मां की प्रतिमाओं के स मुख हवन, पूजन और भंडारे कराए जाने के उपरांत मंगलवार को सुबह से ही मातारानी के प्रतिमाओं के चल समारोह प्रारंभ हो गए थे, शहर के प्रमुख मार्गो से होकर बस स्टेंड के पास स्थित टाउनहाल स्टाप डेम पर विजर्सन के लिए ले जाया गया। टाउनहाल स्थित कुंड में देर रात तक मां की प्रतिमाओं के विजर्सन का सिलसिला बना रहा। इसी के साथ ही नवरात्रि में बोए गए जवारे ा विसर्जन के लिए सीवन नदी ले जाए गए, जहां विधि विधान से पूजा,अर्चना कर उनका विसर्जन किया

विस चुनाव 2023 के दौरान विज्ञापन होर्डिंग्स के उपयोग के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

छिन्दवाड़ा। विधानसभा आम निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा आदर्श आचरण संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये विज्ञापन होर्डिंग्स के उपयोग के संबंध में दिशा निर्देश जारी किये गये हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुष्प द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार किसी प्रकार के अनाधिकृत कटआउट, बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स, झण्डियां एवं अन्य प्रचार सामग्रियां लगाये जाना पूर्णत-प्रतिबंधित रहेगा। संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा प्रचलित विज्ञापन नीति के अन्तर्गत शहर में विभिन्न स्थानों पर विज्ञापनों के होर्डिंग्स पर विज्ञापन प्रदर्शन की अनुमतियां दी गई है, यह अनुमतियां विभिन्न विज्ञापन एजेन्सियों तथा बी.ओ.टी. आपरेटर्स को प्रदान की गई है, जिनसे मासिक एकमुश्त शुल्क निगम द्वारा लिया जाता है। दिन-प्रतिदिन लगाये जाने वाले विज्ञापनों पर सामान्यतः संबंधित स्थानीय निकाय से अनुमति नहीं ली जाती है। विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान अब ऐसे सभी वैध तथा अनुमति प्राप्त स्थानों पर किसी भी प्रकार की चुनाव से संबंधित अथवा राजनैतिक विज्ञापनों के प्रदर्शनों के लिये निगम से पूर्व अनुमति/अनापत्ति लेना अनिवार्य है। विज्ञापन के लिये कुल आरक्षित स्थलों में से 70 प्रतिशत स्थल निर्वाचन से संबंधित प्रचार-प्रसार के लिये आरक्षित रखे प्रतिशत पूर्वानुसार अनुमति के लिये मुक्त रहेंगे। इन 70 प्रतिशत में से कम से कम 10 प्रतिशत निर्दलीय के लिये आरक्षित रखा जायेगा, यदि इनमें आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं तो फिर अन्य को जायेंगे और शेष 30 आवंटन किया जा सकेगा जिसमें मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को प्राथमिकता दी जायेगी। इस आरक्षण में यह भी ध्यान रखा जायेगा कि किसी एक दल या अभ्यर्थी को 40 प्रतिशत से ज्यादा स्थल आवंटित नहीं होने पायें। विज्ञापन एजेन्सी, अभ्यर्थी, राजनैतिक दलों आदि से इन विज्ञापनों के लिये संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित दर से राशि ली जायेगी । संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा यह अनुमतियां 2 चरणों में जारी की जायेगी। प्रथम चरण वर्तमान निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह आवंटन के पूर्व तक रहेगा तथा दूसरा चरण निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह आवंटन से प्रारंभ होकर मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व तक रहेगा। प्रथम चरण में राजनीतिक दलों को और व्दितीय चरण में निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों को यह अनुमति प्रदान की जायेगी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुष्प द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार संबंधित स्थानीय निकाय के क्षेत्राधिकार के सभी वैध विज्ञापन स्थानों पर राजनैतिक विज्ञापन/चुनाव संबंधी विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिये व्यक्ति, संस्थाओं, उम्मीदवारों, दलों आदि द्वारा सर्वप्रथम संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित प्रारूप में संबंधित स्थानीय निकाय को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जायेगा। आवेदन पत्र के साथ प्रचार/विज्ञापन बोर्ड पर लिखी जाने वाली भाषा/मेटर भी बताना होगा, जिसके आधार पर संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा विहित शर्तों के अधीन अनुमति/अनापत्ति पत्र जारी किया जायेगा । संबंधित स्थानीय निकाय की अनुमति/अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर विभिन्न विज्ञापन एजेंसिया अपनी निर्धारित शर्तों/शुल्क प्राप्त कर आवेदित व्यक्ति, संस्था, उम्मीदवार के हित में वैध स्थानों पर विहित शर्तो के अनुरूप राजनैतिक विज्ञापन प्रदर्शित कर सकेगा । संबंधित स्थानीय निकाय अपनी अधिकृत विज्ञापन एजेन्सियों से सलाह के बाद विभिन्न स्थानों पर अभ्यर्थियों/राजनैतिक दलों द्वारा प्रदर्शित होने वाले विज्ञापनों के लिये निर्वाचन अवधि के लिये विज्ञापन की मानक दरों का निर्धारण करेंगे और जिला निर्वाचन कायार्लय को प्रेषित करेंगे ताकि विज्ञापन पर किया गया व्यय अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय की गणना में सम्मिलित किया जा सके। संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा अनुमति/अनापत्ति प्रदान करते समय अभ्यर्थी/राजनैतिक दल से निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त किसी प्रकार का कोई शुल्क प्राप्त नहीं किया जायेगा । इस संबंध में पुनः स्पष्ट किया गया है कि यह अनुमति/अनापति पूर्व से स्वीकृत सूचीबध्द स्थानों के लिये ही दी जा सकेगी। राजनैतिक विज्ञापन के लिये अनुमतियां निर्वाचन अवधि में जारी की जा सकेगी। विज्ञापन एजेन्सी अभ्यर्थियों/राजनैतिक दलों से निर्धारित शर्तो/शुल्क के अनुसार संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित दर से ही राशि वसूल कर सकेगी। यह आदेश जिला छिन्दवाडा एवं जिला पांढुर्णा की सम्पूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में लागू होगा । नगरपालिक निगम क्षेत्र में आयुक्त और नगर परिषद क्षेत्र में संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी निर्धारित व्यवस्था कर अवगत करायेंगे कि संबंधित स्थानीय निकाय के लिये निर्धारित नीति के अनुरूप ही राजनैतिक दलों/उम्मीदवारों के लिये सशुल्क अनुमतियां दी गई हैं।

राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों ने किया पैदल फ्लैग मार्च

छिन्दवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प और एसपी श्री विनायक वर्मा के निर्देशन में शांति एवं कानून व्यवस्था का संदेश देने के लिये विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 122-जुन्नारदेव के विकासखंड तामिया के ग्राम खंचारी से झिरपा तक राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा आज पैदल फ्लैग मार्च किया गया।

प्रदेश में गुलाबी ठंड की दस्तक, पचमढ़ी में पारा 11 डिग्री

भोपाल। मध्यप्रदेश में गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। प्रदेश के सभी शहरों में रात का टेम्प्रेचर 20 डिग्री के नीचे आ गया है। हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा है। यहां पारा 11 डिग्री तक पहुंच गया है। बैतूल, रायसेन, राजगढ़, छिंदवाड़ा, मंडला, रीवा, उमरिया और मलांजखंड भी सबसे ठंडे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार हवा की दिशा बदलने से रात के तापमान में गिरावट आई है। यह दौर अक्टूबर तक जारी रहेगा। मंगलवार को अधिकांश शहरों में दिन का तापमान 30 से 32 डिग्री के बीच रहा। भोपाल में 31.9 डिग्री, इंदौर में 31.6 डिग्री, ग्वालियर में 32.3 डिग्री, जबलपुर में 30.2 डिग्री और उज्जैन में पारा 33 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी दिन में भी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बैतूल में तापमान 28.5 डिग्री रहा। नौगांव में 28.5 डिग्री और मलांजखंड में पारा 28 डिग्री दर्ज किया गया। छिंदवाड़ा, रीवा, सीधी, खरगोन में दिन का तापमान 30 डिग्री के आसपास रहा।

उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोप) एक्टिव है। वहीं, हिमाचल प्रदेश के ऊपर भी एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस है। इस कारण प्रदेश में न तो बारिश होगी और न ही तेज ठंड पड़ेगी। हवा की दिशा बदलने से रात में गुलाबी ठंड का ही असर है। 31 अक्टूबर तक मौसम में कोई बदलाव होने का अनुमान नहीं है। नवंबर के पहले सप्ताह से ठंड का असर तेज हो सकता है। अक्टूबर में तीनों मौसम का ट्रेंड है। इस बार भी ऐसा ही मौसम रहा है। पहले पखवाड़े में भोपाल, ग्वालियर, दमोह, जबलपुर, उज्जैन समेत कई शहरों अक्टूबर में ऐसी गर्मी पड़ी कि जैसे मार्च-अप्रैल का महीना हो। कई जिलों में पारा 37 डिग्री से ज्यादा ही रहा।

अक्टूबर के शुरुआती सप्ताह में गुलाबी ठंड का असर भी रहा। हालांकि, वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव नहीं होने, राजस्थान से सूखी हवा के आने और धूप की तीव्रता 20 प्रतिशत तक बढ़ने से गुलाबी ठंड का असर कम हो गया। चार दिन से बारिश और बादल छाए रहे। इस तरह अक्टूबर में बारिश का ट्रेंड भी बरकरार रहा।

मैंने कमल नाथ से कहा था सपा को चार सीटें दे दो, फिर क्या हुआ पता नहीं: दिग्विजय सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लिए गठबंधन की बात बनते-बनते बिगड़ गई। इसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस को धोखेबाज पार्टी तक कह दिया। वहीं कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ से इस बारे में जब पूछा गया तो उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए कह दिया कि %छोड़ो अखिलेश-वखिलेश%। इसी बीच मप्र में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह का बड़ा बयान सामने आया है।

दिग्विजय सिंह ने न्यूज एजेंसी के साथ बातचीत में कहा कि कमल नाथ ने क्या कहा, मुझे नहीं पता कि उन्होंने

कैसे कहा। लेकिन किसी के बारे में ऐसा कुछ नहीं कहना चाहिए। हां मैं इस बात को स्वीकार कर रहा हू कि मेरे पास कमल नाथ जी ने अशोक सिंह को मेरे पास दीप नारायण यादव के नेतृत्व वाली टीम के साथ चर्चा के लिए भेजा था। उनके साथ बैठक में हमने चर्चा की थी। समाजवादी पार्टी का एक प्रत्याशी बिजावर से (पिछले चुनाव में) जीता था, जो भाजपा में चला गया। दो सीटों पर सपा प्रत्याशी दूसरे नंबर पर आए थे। सपा छह सीटें मांग रही थी। हमारी चर्चा हुई और हम चार सीटें उनके लिए छोड़ सकते थे, इसकी रिपोर्ट बनाकर मैंने कमल नाथ को भेज दी थी।

कहां बिगड़ी बात, पता नहीं

दिग्विजय ने आगे कहा कि मैंने केंद्रीय नेतृत्व से भी कार्यसमिति की बैठक में पूछा कि इंडिया अलायंस के साथ हमारा क्या संबंध होना चाहिए। उन्होंने राज्यों के चुनाव में इसे प्रदेश नेतृत्व पर छोड़ दिया है। अब इंडिया अलायंस लोकसभा चुनाव तो साथ मिलकर लड़ेगा, लेकिन राज्य चुनाव में हमारे मुद्दे अलग हैं। दिग्विजय सिंह ने अखिलेश यादव की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत ईमानदार और समझदार व्यक्ति हैं। वह पढ़े-लिखे हैं और पार्टी और परिवार को संभाल रहे हैं। मुझे नहीं पता कि चर्चा कहां गलत हुई, लेकिन कमल नाथ पूरी ईमानदारी से किसी समझौते पर पहुंचना चाहते थे। लेकिन ठीक है, गठबंधन में तो दोस्ताना मुकाबले भी हो जाते हैं।

निशा बांगरे ने किया चुनाव लड़ने का ऐलान, एक-दो दिन में दाखिल कर सकती हैं नामांकन

भोपाल। पूर्व डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे ने राज्य शासन द्वारा उनका इस्तीफा मंजूर किए जाने के बाद मंगलवार देर रात चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। इंटरनेट मीडिया पर निशा बांगरे ने अपने समर्थकों को एक संदेश दिया, जिसमें उन्होंने लिखा- मैं चुनाव लडूंगी। बुधवार, गुरुवार या शुक्रवार को नामांकन दाखिल करूंगी। लड़े हैं जीते हैं, लड़ेंगे जीतेंगे।

गौरतलब है कि निशा बांगरे बैतूल की आमला सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही थीं। राज्य शासन द्वारा उनके त्यागपत्र पर फैसले में देरी को देखते हुए पार्टी ने मनोज मालवे को प्रत्याशी घोषित कर दिया। संभावना जताई जा रही है कि कांग्रेस अब आमला सीट पर अपना प्रत्याशी बदल सकती है।

नहीं जाने दिया तो छोड़ दी नौकरी- छतरपुर एसडीएम रहीं निशा बांगरे के विरुद्ध 21 अगस्त, 2023 को सिविल सेवा आचरण नियम 1985 का उल्लंघन का आरोप लगाते हुए विभागीय जांच शुरू की गई थी। निशा बांगरे ने अपने बैतूल स्थित आवास पर सर्वधर्म सभा का आयोजन किया था, इसमें शामिल होने के लिए उन्होंने अनुमति मांगी थी। शासन ने अनुमति नहीं दी पर वे इसमें शामिल हुईं और फिर सेवा से त्यागपत्र दे दिया। लेकिन शासन ने उनका त्यागपत्र स्वीकार नहीं किया।

ग्रेस ने दिया कदम-कदम पर साथ- निशा इसके खिलाफ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक गई। उन्होंने त्यागपत्र स्वीकार कराने के लिए आमला से मुख्यमंत्री आवास तक पदयात्रा निकाली थी पर भोपाल के बोर्ड आफिस चौराहे के पास उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इस पूरे मामले में कांग्रेस निशा के साथ खड़ी रही।

कांग्रेस की रीति - नीति से प्रभावित होकर युवाओं ने श्रीमती निधि जैन के निवास पर कांग्रेस की सदस्यता ली

सागर। युवा वर्ग को लेकर कांग्रेस पार्टी की रीति - नीति व सोच से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में युवाओं ने आज सागर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती निधि सुनील जैन के निवास पर पहुंचकर कांग्रेस की सदस्यता ली। सदस्यता लेने वालों में विकास यादव अजय कमलेश यादव यश कोरी अमन यादव मोहित राजपूत लकी यादव अभिषेक यादव संजय पटेल, अजय विश्वकर्मा समेत बड़ी संख्या में युवा शामिल है। इस अवसर पर कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती निधि जैन पूर्व विधायक सुनील जैन पूर्व पार्षद रामनाथ यादव मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ संदीप सबलोक वरिष्ठ नेता रामकुमार पचौरी आदि ने सदस्यता लेने वाले युवाओं का स्वागत कर उन्हें बधाई दी। सदस्यता लेने वालों ने सागर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी निधि जैन को भारी बहुमत से जिताकर प्रदेश में कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की स्थापना का संकल्प लिया।

केंद्र के कर्मचारियों के समान प्रदेश के कर्मचारियों को भी दीपावली पर दिया जाए बोनस

भोपाल। केंद्र के कर्मचारियों को केंद्र सरकार प्रतिवर्ष दीपावली पर बोनस देती है रेलवे एवं केंद्र के अर्ध शासकीय संस्थान भी अपने कर्मचारियों को दीपावली पर एक निश्चित बोनस की राशि दीपावली पर उत्साह से मनाने के लिए देते हैं लेकिन मध्य प्रदेश में कर्मचारियों को दीपावली पर पर बोनस देने की प्रथा पर 27 साल से रोक लगी है मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मांग रही है कि केंद्र के कर्मचारियों की समान हीं मध्यप्रदेश के कर्मचारियों को भी दीपावली पर पर एक माह के वेतन के बराबर बोनस दिया जाए।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि केंद्र सरकार ने दीपावली पर पर 48,67 केंद्रीय कर्मचारियों को चार प्रसिद्ध महंगाई भत्ते के 3 माह के एरियार के साथ देने का आदेश जारी कर है वही ?7000 बोनस दीपावली पर देने का निर्णय लिया है वहीं केंद्र सरकार ने सेवानिवृत 67,95 कर्मचारियों को भी 3 महीने के एरियार के साथ 4न्न महंगाई राहत देने का निर्णय लिया है केंद्र सरकार केंद्र के एक करोड़ 16 लाख 62 हजार कर्मचारियों एवं पेंशनरों को दीपावली पर पर लाभ दे रही है जिससे केंद्रीय कर्मचारियों एवं केंद्रीय पेंशनरों की दीपावली उत्साह से मनेगी रेलवे ने भी अपने कर्मचारियों को 18 दिन का वेतन दीपावली पर पर बोनस के रूप में देगा जो लगभग 18000 रुपए होगा वही मध्य प्रदेश शासन ने दीपावली पर्व होने के बावजूद भी अभी तक केंद्र के समान चार प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने का निर्णय अपने साढे सात लाख कर्मचारी एवं साढे चार लाख पेंशनरों के लिए नहीं लिया है जिस कारण प्रदेश के 10 लाख कर्मचारियों में निराशा का वातावरण निर्मित हो गया है मध्य प्रदेश में राज्य के कर्मचारियों को बोनस देने की प्रथा 1996 से बंद है 27 साल से मध्य प्रदेश राज्य के कर्मचारियों को दीपावली पर पर बोनस नहीं मिल रहा है बोनस एवं महंगाई भत्ता न मिलने के कारण मध्य प्रदेश राज्य के कर्मचारी एवं पेंशनरों स्थाई कर्मियों की दीपावली अधूरी खुशी के साथ मनेगी।

इंदौर में नारी शक्ति तय करेगी प्रत्याशियों की जीत की राह

इंदौर। सभी राजनितीक दल महिला मतदाताओं पर अपना ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। चुनावी वादों में भी महिलाओं के लिए योजनाएं लागू करने की बात कह रहे हैं। क्योंकि महिलाओं मतदाता ही प्रत्याशियों की जीत की राह तय करेगी। इंदौर जिले की नौ विधानसभा में कुल 49.44 प्रतिशत महिला मतदाता है। जिले में कुल तीन महिलाएं चुनाव मैदान में हैं। इंदौर जिले में कुल 27,62,507 मतदाता है, जिनमें से महिला मतदाता 13,65,871 और पुरुष मतदाता 13,96,525 है। महिलाएं अब पहले की तरह नहीं रही है कि अपने पति या परिवार के कहने पर किसी को मत कर दें। क्योंकि अब महिलाएं खुद राजनीतिक समझ रखने लगी हैं। वह राजनितीक दल की जानकारी के साथ ही प्रत्याशियों को भी सोच समझकर ही मतदान करती हैं।

प्रत्याशियों के परिवार की महिलाएं भी कर रहीं प्रचार- यही कारण भी है कि अब राजनीतिक आयोजन के मंचों पर बड़ी संख्या में महिलाएं भी नजर आने लगी हैं। सबसे अधिक महिला मतदाता विधानसभा क्षेत्र क्रमांक पांच में हैं। यहां 2,04,853 महिला मतदाता हैं। विधानसभा चुनाव के प्रचार में प्रत्याशियों के साथ ही उनकी पत्नी और परिवार की महिलाएं भी प्रचार करती हुई नजर आ रही हैं।

बता दें कि इंदौर जिले की नौ विधानसभा क्षेत्र में तीन विधानसभा में महिला प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक चार से मालिनी गौड़ (भाजपा), विधानसभा क्षेत्र सांवेर से रीना बौरासी सेतिया (कांग्रेस) और विधानसभा महू से उषा ठाकुर(भाजपा) को प्रत्याशी बनाया गया है।

जनसंपर्क मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज दाखिल किया नामांकन पत्र

भोपाल। जनसंपर्क तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री विन्ध्य के जन-नायक, लोकप्रिय नेता श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपने निज-निवास अमहिया (रीवा) से हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं के उत्साह और ठोल-नगाड़ों के साथ करीब 5 किलोमीटर की पैदल यात्रा तय कर रीवा और विन्ध्य क्षेत्र को सुनहरे भविष्य और विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने तथा जन-आकांक्षाओं के सपनों को पूरा करने के उद्देश्य से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र का विगत 20 वर्षों से जो विकास हो रहा है, उसको अनवरत जारी रखने के लिये मैं कृत-संकल्पित हूँ।

इस अवसर पर सांसद श्री जनार्दन मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, वरिष्ठ नेता कमलेश्वर सिंह, श्री अर्जुन चौहान, रीवा विधानसभा चुनाव के संयोजक पूर्व महापौर राजेन्द्र ताम्रकार सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय, संजय शुक्ला ने अपने सोशल मीडिया से एक-दूसरे की फोटो ही काट दी, पहले गले मिल चुके

इंदौर। मप्र और इंदौर की हाईप्रोफाइल चुनावी सीट इंदौर विधानसभा एक में बीजेपी प्रत्याशी और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के साथ कांग्रेस विधायक और प्रत्याश संजय शुक्ला के बीच तल्खी साफ दिख रही है। विजयादशमी पर बाणगंगा के कुमारखेड़ी हुए

कार्यक्रम के बाद दोनों ने इस आयोजन की फोटो डाली, दोनों इस आयोजन में थे लेकिन कैलाश विजयवर्गीय ने अपने ट्विटर अकाउंट पर डाली चार फोटो में संजय शुक्ला को काट दिया, उन्हें पास में नहीं दिखाया, जबकि पास में खड़े थे। यही काम संजय शुक्ला ने भी किया। उन्होंने भी चार फोटो डाली और इसमें विजयवर्गीय दो फोटो में सीधे-सीधे कटे हुए दिख रहे हैं। बाकी फोटो में भी वह नहीं है।

जबकि कार्यक्रम में दोनों ने हाथ पकड़े थे पास में खड़े थे- विजयादशमी के इस आयोजन में कैलाश और संजय दोनों ही पुहंचे थे। इस आयोजन में उद्बोधन करते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने संजय शुक्ला का हाथ पकड़कर उठाया और कहा कि हम दोनों बधाई दे रहे हैं आप सभी को। इसकी भी फोटो थी लेकिन दोनों ने ही अपने सोशल अकाउंट पर नहीं डाली और ना ही दोनों की कोई और फोटो पास में खड़े हुए डाली गई।

कैलाश विजयवर्गीय के ट्वीटर पर यह अपलोड हुआ 11.30 बजे- बाणगंगा कुम्मारखाड़ी में दशहरा पर्व पर ब्रजलाला गुरू व्यायाम शाला द्वारा आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में सहभागिता की, भगवान राम ने जैसे बुराई के प्रतीक रावण का संहार किया है, वैसे ही हमें समाज से बुराईयों को खत्म करना है।

पहले गले मिल चुके हैं दोनों प्रत्याशी- इसके पहले गोम्मटिगिरी पर जैन समाज के क्षमा पर्व पर दोनों ही सद्भाव माहौल में मिले थे। इसमें संजय शुक्ला ने जहां विजयवर्गीय के पैर छुए, वहीं विजयवर्गीय ने उन्हें गले लगाया। तब शुक्ला का टिकट घोषित नहीं हुआ था। फिर शुक्ला का टिकट घोषित हुआ, कुछ दिन बाद अग्रवाल समाज समिति के आयोजन में दोनों मिले, बीच में आयोजक थे, तब कोई बात-चीत नहीं हुई। अब विजायदशमी पर मिले, दोनों पास में खड़े रहे, कैलाश ने हाथ पकड़कर ऊपर उठाया और सभी को बधाई दी, फिर दोनों अपने-अपने रास्ते। बाद में सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की फोटो ही काट दी।

दशहरा उत्सवः टीटी नगर दशहरा मैदान में आयोजित विजयादशमी समारोह में श्रीराम का पूजन करते हुए गुफा मंदिर के महंत राम प्रवेश दास, संतोष चौबे, प्रत्याशी पीसी शर्मा। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह तथा उनकी पत्नी श्रीमती अमृता सिंह।

मप्र चुनावः कांग्रेस के खिलाफ आप, सपा और जेडीयू भी मैदान में, 89 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

भोपाल। मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को जीतने के लिए हर राजनीतिक दल जोर आजमाइश में लगा हुआ है। आलम यह है कि राष्?ट्रीय स्तर पर एकता दिखाने वाला इंडिया गठबंधन आपस में बंटा नजर आ रहा है और ये दल एक-दूसरे के खिलाफ की प्रत्याशी उतार रहे हैं। हाल ही में जेडीयू ने भी प्रदेश की पांच सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। इंडिया गठबंधन में मुख्य तौर पर शामिल कांग्रेस, सपा, आम आदमी पार्टी और जेडीयू के बीच मध्य प्रदेश में कोई गठबंधन नहीं है, लिहाजा ये दल एक दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस को सबसे ज्यादा मुश्किलें- मध्य प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस है। भाजपा के बाद कांग्रेस ही सबसे बड़ी पार्टी है। चूंकि कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य दलों ने भी प्रत्याशी उतार दिए हैं, ऐसे में कांग्रेस को वोट कटने का डर सता सता रहा है और इससे

भाजपा को फायदा मिल सकता है।

मेहगांव सीट पर कांग्रेस ने राहुल भदौरिया को टिकट दिया है। इसी सीट से इंडिया गठबंधन में शामिल सपा ने बृजकिशोर सिंह गुर्जर को टिकट दिया है, तो वहीं आम आदमी पार्टी ने सतिंदर भदौरिया को प्रत्याशी बनाया है। सेवड़ा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार फूल सिंह बरैया चुनावी मैदान में है, तो वहीं बरैया के खिलाफ सपा के आरडी राहुल अहिरवार और आप की रमणी देवी जाटव चुनाव लड़ेंगी। शिवपुरी में कांग्रेस ने केपी सिंह को प्रत्याशी बनाया है, तो इधर आप से कांग्रेस के खिलाफ अनूप गोयल को खड़ा किया है। चाचौड़ा सीट से कांग्रेस की ओर से लक्ष्मण सिंह चुनाव लड़ेंगे, तो इधर आप ने ममता मीणा को प्रत्याशी बनाया है। महाराजपुर से नीरज विनोद दीक्षित कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़ेंगे वहीं आप की ओर से रामजी पटेल चुनावी मैदान में हैं।

बसपा-गोंगपा गठबंधन भी सक्रिय- मध्य प्रदेश में भाजपा, कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के दलों के अलावा बसपा और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी गठबंधन भी सक्रिय है। गठबंधन प्रदेश की करीब 72 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं।